अंक - 9

जून -2021

शिक्षा के गोठ

मासिक ई-न्यूज़लेटर

स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

संपादकीय

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर को देखते हुए प्रदेश की वर्तमान शिक्षण गतिविधियाँ वर्चुअल मोड पर केन्द्रित की जा रही है, जिसके अंतर्गत हमारे शिक्षकों द्वारा पोर्टल व एप्प में ऑनलाइन शिक्षण सामग्री की उपलब्धता, ऑनलाइन कक्षाएं एवं ऑनलाइन क्वीज प्रतियोगिता तथा समय-समय पर वेबीनार का आयोजन भी कर रहे हैं। ग्रीष्मकालीन अवकाश में भी विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकगण बच्चों मे पढ़ाई के प्रति रुचि बनाए हुए हैं। शिक्षकों द्वारा खेलकूद, कबाड़ से जुगाड़, खिलौना निर्माण एवं सहायक शिक्षण सामग्री का भी भरपूर प्रयोग पाठ्य सामग्री के विषय वस्तु को समझने के लिए किया जा रहा है। इस विषम परिस्थिति में शिक्षकों के हौंसले बढ़ाने हेतु महत्वाकांक्षी योजना 'पढ़ई तुँहर दुआर' अंतर्गत "हमारे नायक' कालम में शिक्षकों को स्थान दिया जा रहा है। हम सब के लिए बड़ी प्रसन्नता की बात है कि हमारे नायक कालम ने एक वर्ष का सफ़रनामा इस माह पूरा कर लिया हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम हासिल हेतु करने प्रारम्भ किए गए स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में दाखिला प्रारम्भ है। प्रदेश में 'मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना' अंतर्गत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान किया गया है, जिससे बच्चों को आगे की शिक्षा की बेहतरी के लिए प्रोत्साहन मिलता है। शिक्षा के गोठ में स्कूल शिक्षा विभाग के सभी निकायों की महत्वपूर्ण गतिविधियों को शामिल किया गया हैं।

डी. राहुल वेंकट आई.ए.एस.
संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
छत्तीसगढ़

शिक्षा से ही जीवन के लक्ष्य को साधा जा सकता है: मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री द्वारा 159 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रतिभा सम्मान समारोह के वर्चुअल कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष **2019** एवं वर्ष **2020** की **10**वीं एवं **12**वीं बोर्ड की परीक्षा में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले **159** मेधावी छात्र-छात्राओं एवं विशेष पिछड़ी जनजाति के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को स्वामी आत्मानंद मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं सहित उनके पालकों और शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

ज्ञातव्य है कि स्वामी आत्मानंद मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को **1.50** लाख रूपए की राशि दी जाती है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि प्रतिभा सम्मान समारोह का यह पल अत्यंत गौरवशाली है। शिक्षा से ही जीवन लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। इससे जीवन को सकारात्मक दिशा मिलती है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आप सब देश और प्रदेश के भविष्य हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को बेहतर एवं उच्च शिक्षा के लिए हर संभव मदद कर रही है और यह मदद आगे भी जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और सफलता हासिल कर माता-पिता और छत्तीसगढ़ का नाम रौशन करने की अपील की। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने उम्मीद जतायी की प्रतिभावान विद्यार्थी राज्य के विकास एवं सामाजिक उत्थान में अपना योगदान देंगे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य की विशेष पिछड़ी जनजाति के **28** छात्र-छात्राओं को जिन्होंने विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग में बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक अर्जित किए है

उन्हें भी स्वामी आत्मानंद मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत सम्मानित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के सचिव प्रो. व्ही. के. गोयल ने बताया कि वर्ष **2019** एवं वर्ष **2020** के तहत हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी की प्रावीण्य सूची कुल **125** मेधावी छात्र-छात्राओं सहित संकायवार प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले **15** तथा विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग में सवोच्च अंक प्राप्त करने वाले **28** इस प्रकार कुल **159** मेधावी छात्र-छात्राओं को योजना के तहत मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा एवं छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला, संचालक लोक शिक्षण श्री जितेन्द्र शुक्ला उपस्थित थे। कार्यक्रम में सभी जिलों कलेक्टर, शिक्षा मण्डल के सदस्य, जिला शिक्षा अधिकारी एवं प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ महतारी दुलार योजना कोविड से अनाथ हुए बच्चों को देगी संरक्षण

कोरोना से माता-पिता खो देने वाले बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाएगी छत्तीसगढ़ सरकार साथ में देगी छात्रवृत्ति भी

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की संवेदनशील पहल से बेसहारा बच्चों का संवरेगा बेहतर भविष्य। ऐसे बच्चे जिनके परिवार में कमाने वाले सदस्य की मृत्यु हो गई है, उनकी पढ़ाई का जिम्मा भी उठाएगी राज्य सरकार स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश में प्राथमिकता दी जाएगी तथा इन बच्चों से फीस नही ली जाएगी

कोविड के खिलाफ लड़ाई के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार ने एक ऐसा निर्णय लिया है जो कोविड पीड़ितों के कुछ आंसू पोंछ सकेगा।कोविड के निर्मम प्रहार के चलते जिन बच्चों का सब कुछ छीन गया है, अब छत्तीसगढ़ सरकार उनका संबल बनने जा रही है,और न केवल उनकी शिक्षा का दायित्व उठायेगी बल्कि उनके भविष्य को संवारने की हर संभव कोशिश भी करेगी। सरकार की इस संवेदनशील पहल को अमली जामा पहनाया जाएगा छत्तीसगढ़ महतारी दुलार योजना के माध्यम से। यह योजना इस वित्तीय वर्ष से लागू की जाएगी।

ऐसे बच्चे जिन्होंने अपने माता-पिता कोइस वित्तीय वर्ष के दौरान कोरोना के कारण खो दिया है, उन की पढ़ाई का पूरा खर्च अब छत्तीसगढ़ सरकार उठाएगी। साथ ही पहली से आठवीं तक के ऐसे बच्चों को **500** रुपयेप्रतिमाह और **9** वीं से **12** वीं तक के बच्चों को **1000** रुपये प्रतिमाह की छात्रवृत्ति भी राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी। शासकीय अथवा प्राईवेट किसी भी स्कूल में पढ़ाई करने पर ये बच्चे इस छात्रवत्ति के लिये पात्र होंगे।

इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है ऐसे बच्चे जिनके परिवार में रोजी-रोटी कमाने वाले मुख्य सदस्य की मृत्यु कोरोना से हो गई है, तो उन बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था भी राज्य सरकार द्वारा की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि यदि ये बच्चे राज्य में प्रारंभ किए गए स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश हेतु आवेदन देते हैं तो उन्हें प्राथमिकता से प्रवेश दिया जायेगा और उनसे किसी भी प्रकार की फीस नहीं ली जायेगी।

कोरोना महामारी ने न जाने कितने घरों में अंधेरा कर दिया है और न जाने कितने बच्चों के सिर से उनके मा-बाप का सहारा छीन लिया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जरूरतमंदों को हर तरह का सहारा मुहैया कराया जा रहा है।

स्कूल शिक्षा मंत्री द्वारा कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम जारी

मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों को दी बधाई

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ.प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाई स्कूल की मुख्य परीक्षा **2021** का परीक्षा परिणाम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाईन जारी किया। परीक्षा में पंजीकृत **4** लाख **67** हजार **261** पंजीकृत परीक्षार्थियों में से **6** हजार **168** परीक्षार्थियों के परीक्षा फार्म अपात्र होने के कारण निरस्त किए गए। शेष **4** लाख **61** हजार **093** पात्र परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। इनमें **2** लाख **24** हजार **112** बालक और **2** लाख **36** हजार **981** बालिकाओं के परीक्षा परिणाम शामिल हैं। सभी परीक्षार्थी परीक्षा में उत्तीर्ण किए गए, परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने परीक्षा में सफल सभी परीक्षार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल के अध्यक्ष डॉ. आलोक शुक्ला, सचिव प्रोफेसर व्ही.के.गोयल सहित मण्डल के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित थे।

इस वर्ष कोविड-**19** महामारी के कारण **10**वीं की परीक्षा निरस्त करते हुए आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। जो परीक्षार्थी आंतरिक मूल्यांकन में सम्मलित नहीं हुए उन्हें न्यूनतम उत्तीर्ण अंक देकर परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हो गए हैं।उत्तीर्ण परीक्षार्थियों में **4** लाख **46** हजार **393** छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। जो कुल घोषित परिणाम का **96.81** प्रतिशत है। द्वितीय श्रेणी में **9** हजार **24** परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए, जो कुल शामिल परीक्षार्थियों का **1.96** प्रतिशत और तृतीय श्रेणी में **5** हजार **676** परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए, जो कुल शामिल परीक्षार्थियों का **1.23** प्रतिशत है। प्रथम श्रेणी में **95.66** प्रतिशत, द्वितीय श्रेणी में **2.65** प्रतिशत, तृतीय श्रेणी में **1.68** प्रतिशत बालक परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। इसी प्रकार प्रथम श्रेणी में **97.90** प्रतिशत, द्वितीय श्रेणी में **1.30** प्रतिशत तथा तृतीय श्रेणी में **0.80** प्रतिशत बालिकाएं उत्तीर्ण हुए हैं।

इस वर्ष आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा इस वर्ष प्रावीण्य सूची में जारी नहीं करने का निर्णय लिया गया है। अतः प्रावीण्य सूची जारी नहीं की गई है। इसके अतिरिक्त पुनर्गणना एवं पुनर्मूल्यांकन का प्रावधान भी इस परीक्षा में समाप्त किया गया है, जो परीक्षार्थी अपने परीक्षा परिणाम से संतुष्ट नही हैं, उन्हें आगामी परीक्षा में श्रेणी सुधार के लिए सम्मलित होने की पात्रता होगी।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता

वर्ष 2018-19 और 2019-20 में पदक प्राप्त खिलाड़ियों को किया सम्मानित

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल कार्यक्रम में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के वर्ष **2018-19** और वर्ष **2019-20** के पदक विजेता **1547** खिलाड़ियों को **2** करोड़ **38** लाख **38** हजार रूपए की पुरस्कार राशि का वितरण किया। स्कूल शिक्षा मंत्री द्वारा कार्यक्रम में राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक अर्जित कर राज्य को गौरवान्वित करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। शिक्षा सत्र **2018-19** में **822** और सत्र **2019-20** में **725** खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त किया है। राज्य शासन द्वारा राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता को **21** हजार रूपए, रजत पदक विजेता को **15** हजार रूपए और कांस्य पदक विजेताओं को **10** हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया।

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने वर्चुअल कार्यक्रम में रायपुर जिले के दो खिलाड़ियों कशिश सोनकर और विमल नन्देश्वर को **21-21** हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि का डिमांड ड्राफ्ट प्रदान कर सम्मानित किया।

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के लिए यह गौरव की बात है कि वर्ष **2018-19** में छत्तीसगढ़ प्रदेश ने देश में छठवां स्थान और वर्ष **2019-20** में आयोजित **65**वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में सातवां स्थान प्राप्त किया। डॉ. टेकाम ने वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से सम्मानित होने वाले सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने सभी व्यायाम शिक्षकों को भी बधाई दी, जिनके मार्गदर्शन में सभी खिलाड़ियों ने यह अविश्वसनीय उपलब्धि प्राप्त की है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों ने सत्र **2018-19** में राज्य में प्रथम स्थान रायपुर जोन, द्वितीय स्थान राजनांदगांव जोन और तृतीय स्थान दुर्ग जोन ने प्राप्त किया। इसी सत्र में जिलावार प्रथम स्थान राजनांदगांव जिला, द्वितीय स्थान रायपुर जिला और तृतीय स्थान पर दुर्ग जिला रहा।

इसी प्रकार शिक्षा सत्र **2019-20** में राज्य में प्रथम स्थान रायपुर जोन, द्वितीय स्थान राजनांदगांव जोन और तृतीय स्थान कबीरधाम जोन ने प्राप्त किया है। इसी सत्र में जिलावार प्रथम स्थान राजनांदगांव जिला, द्वितीय स्थान रायपुर जिला और तृतीय स्थान बेमेतरा जिले ने प्राप्त किया। कार्यक्रम को संचालक लोक शिक्षण श्री जितेन्द्र शुक्ला ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर संयुक्त संचालक श्री के.सी. काबरा, जिला शिक्षा अधिकारी श्री ए.एन. बंजारा, खेल प्रभारी श्री अनिल मिश्रा सहित सम्मानित होने वाले रायपुर जिले के खिलाड़ी भी उपस्थित थे।

SWAMI ATMANANDA ENGLISH MEDIUM SCHOOL SCHEME
CHHATTISGARH

JUNE 2021

TIMES OF SAGES

'Out of the box' teaching!

Meet Jagruti Samir Digsarkar from SAGES Sakti. She is one among the teachers who has been actively engaging students remotely ever since lockdown. The activities conducted by her are primarily to tap into the creative potential of students and help them think out of the box. Apart from her regular work of ensuring classes, she has also gone one step ahead to make students creatively think and apply to real world scenario. Recently, she conducted LIVE class from outside the ATM to show how the banking process works and how one can withdraw cash from ATM during emergency situations.

Apart from this, Jagruti has also been conducting many competitions, interactive webinars and Do-It-Yourself videos. But what makes Jagruti's approach different from others is her involvement of parents into many of her classroom sessions. Some of them include:

A) Virtual Fancy dress competition
B) Pen stand making (DIY)
C) Rangoli competition
D) Kulhad Painting
E) Save Turtle - poster campaign
F) Handwriting competition
G) Bottle decoration (re-suable items)
H) Back to school for parents
I) Brother's day greeting card event
J) Painting competition for parents
K) Animal Painting on your palm
L) Stone painting
M) Fork painting and much more...

By actively engaging students and their parents in her unique classroom sessions, Jagruti has ensured that there is active parent involvement, which is quintessential for a child during the learning phase. Way to go Jagruti and we hope your creative activities help more students to explore their inner potentials!

Jagruti standing outside ATM and explaining how to use ATM through LIVE Stream for students.

Jagruti Samir Digsarkar, Asst. Teacher, SAGES Sakti
Demonstrating animal painting on palm during a virtual class.

May 2021

STATE LEVEL WEBINARS AND EVENTS

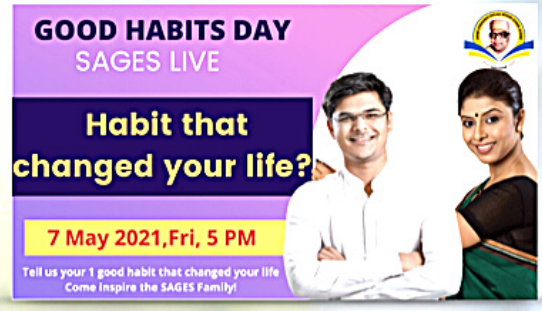

A virtual text based response thread was conducted for SAGES teachers to highlight some of the good habits that changed their lives. Some of the good habits highlighted: **discipline, honesty, helping others, positive thinking** etc. The objective of this event was to encourage teachers and students to reflect within themselves the innate qualities and areas that need to be strengthened to become a good human before becoming a good professional.

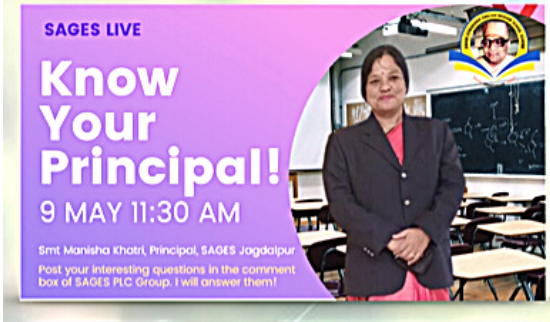

A LIVE webinar series has been started to give a platform for SAGES Principals to share their **vision** for schools and share their belief system towards system and society. During the webinar, principals are asked about their personal journey into education domain and what **leadership skills** they possess to drive the much needed educational reform starting from their school. The first speaker to this webinar was **Smt. Manisha Khatri**, Principal, SAGES Jagdalpur.

Ms. Madhuri Dhariwal, Operations Lead of Indus Action spoke about Social Emotional Learning and the need for embedding this into our schooling systems. She gave various examples of how SEL. She also highlighted the need for sensitising teachers, especially during this crucial phase, as schools remain closed and students have very limited access to teachers and classmates.

Smt. Anita Shah, Coordinator of Abhibhavak Vidyalaya spoke about CoVID and its effect on children. During the tough times like these, it is important to understand how we can protect our kids and families. A lot of us have queries, but very limited access to doctors or medical community to reach out for support. Dr. Anita Shah's talk was lauded by many teachers and especially parent for coming at a crucial time, when we are preparing for the third wave, which is said to be more critical especially for younger kids. The program was anchored by **Ashutosh Dubey.**

Smt. Archana Devkar from Boston Scientific, Minnesota recently addressed teachers and students on various types of fear and how to overcome them. Archana gave various examples from her life and famous personalities of the fears faced by them and how they overcame them and became successful. The webinar was moderated by **Neeta Netam** from SAGES, Dhamtari and anchored by **Anajana Singh**, SAGES Janjgiri & **Santosh Nishad** from SAGES Rajnandgaon.

#sagesinnews

खबर संक्षेप

ऑनलाइन समर कैम्प

बोरी। शासकीय आत्मानंद स्कूल बोरी में विगत 6 मई से समर कैम्प ऑनलाइन संचालित किया जा रहा है। इसमें विज्ञान प्रयोग, जुंबा, भरत नाट्यम, ड्राइंग, सुलेख, ऐरोबिक्स और एसाइंमेंट शामिल है। इसमें संगीता साहा, आशा पटेल, मंजु गर्ग, ममता साव, प्राची ठाकुर, आरती,आयुषी गुप्ता, रोशनी आदि योगदान सराहनीय रहा। प्राचार्य ने बताया कि 2021-22 सत्र के लिए

अच्छी पहल •• सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूल के शिक्षक चला रहे विशेष मुहिम

शिक्षक जोड़ रहे बच्चों को कलात्मक गतिविधियों से

प्रोत्साहन

- ऑन लाइन प्रशिक्षण पाकर कबाड़ से जुगाड़ बना रहे बच्चे

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर. www.navbharat.org

घर में मौजूद अनुपयोगी वस्तुओं अर्थात वेस्ट मैटेरियल का संग्रह कर बच्चे आर्ट एंड क्राफ्ट तैयार कर रहे हैं, जिससे बच्चों में शैक्षणिक गतिविधि के साथ कलात्मक अभिव्यक्ति का भी विकास हो सके. यह कार्य करवाया जा रहा है स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल के शिक्षकों द्वारा. संस्था प्रमुख श्रीमती मनीषा खत्री एवं शिक्षक भावेश विष्णु के द्वारा इसके लिए एक मुहिम शुरू की गई है.

इन बच्चों ने दिखायी प्रतिभा

इस मुहिम में कक्षा पहली से विवेक साहू, अंजली त्रिपाठी. कक्षा दूसरी से दिव्यांशु सेन, वर्षा साहू, सौम्या साहू, ऋद्धि दास, आरोही ठाकुर, आकांक्षा, लिहा, माही एंटोनी. कक्षा तीसरी से महक साहू, दयालन पिल्ले, रश्मि डहरिया, शिवानी नेताम. कक्षा पांचवी से साहू आदि बच्चों ने अच्छा प्रदर्शन किया. अन्य बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया.

गौरतलब है कि जहां कोरोना महामारी का संक्रमण एक बार फिर भयावह स्तर पर फैलता जा रहा है, वहीं लॉकडॉउन के कारण सामान्य जन जीवन अस्त-व्यस्त है. जिसके कारण सभी शैक्षणिक संस्थाएं बंद है, परंतु कहते है, जहां चाह, वहां राह मिल ही जाती है. इसी को चरितार्थ करते हुए इन दिनों शहर के स्वामी विवेकानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल के बच्चे कबाड़ से जुगाड के सूत्र का अनुसरण करते हुए आर्ट एण्ड क्राफ्ट की विधाएं सीख रहे हैं.

ऑनलाइन चल रही गतिविधियां

इस कार्यक्रम मे बच्चो ने वेस्ट मैटेरियल के द्वारा गणितीय मॉडल जिमसे जोड़ना, घटाना, गुणा-भाग करना एवं विभिन्न सुंदर पेन, पेंसिल स्टैंड, टेबल स्टैंड आदि का निर्माण कर रहे है. संपूर्ण ऑनलाइन गतिविधियो मे पहली से लेकर पांचवी तक प्राथमिक शाला के बच्चो ने बड़े ही स्फूर्ति एवं सक्रियता के साथ भाग लिया. इन बच्चो को शिक्षको द्वारार इसे बनाने का ऑन लाइन प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल में चल रहा ऑनलाइन समर कैम्प

बीजापुर, 20 मई (हाईवे चैनल)। जहां कोविड महामारी के कारण सारे स्कूल बंद है वहीं विध्यार्थियों के बौद्धिक विकास के साथ शारीरिक विकास लिए स्वामी आत्मानंद शासकीय इंगलिश स्कूल बीजापुर में समर कैम्प का आयोजन किया गया है। समर केम्प में समस्त ...,गणित तथा पर्यावरण के विभिन्न विषयों से सम्बंधित गतिविधियों का आयोजन कर प्रशिक्षित किया जा रहा है। 16 मई से 31 मई तक आयोजित किए जाने वाले इन विभिन्न गतिविधियों में एकल नृत्य, सलाद डेकोरेसन, कहानी कविता का पाठ, कोविड प्रोटोकोल, रंगोली एवं किचन गार्डन इत्यादि पर कार्यक्रम किए जाएँगे। इसमें संस्था के शिक्षक, छात्रों को इन सब कलाओं के गुण सिखा रहे हैं ,साथ ही उनका उत्साहवर्धन कर रहे हैं। विभिन्न विधाओं की बारकियाँ सिखा रहे है। इससे छात्र लाभान्वित हो कर उत्साहित है। संस्था के प्राचार्य अमित गांधरला ने बताया की कोविड महामारी के कारण स्कूल बंद है इसके लिए हमारी कोशिश है की स्कूल को ही छात्रों तक पहुँचाया जाए। इसलिए इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को शैक्षणिक गतिविधियों में बांधकर रखने तथा साथ ही साथ कौशल विकास के लिए

व्यर्थ सामानों का उपयोग कर बनाया बुकमार्क और फोटो फ्रेम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जगदलपुर

कोरोना महामारी के चलते जहां पूरे प्रदेश में पूर्ण लाकडाउन लगा हुआ है। जिससे सारी संस्थाएं दुकान तथा शालाएं बंद हैं और इस दौरान बच्चे लगातार ऑनलाइन क्लास से भी ऊब चुके हैं। इन सब चीजों को ध्यान में रखते हुए स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती पूनम श्रीवास्तव ने घर में उपस्थित व्यर्थ सामानों का उपयोग कर आर्ट एंड क्राफ्ट के तहत उन्हें बुकमार्क की उपयोगिता बताते हुए बुकमार्क और फोटो फ्रेम बनाना सिखाया। सीखने सिखाने की प्रक्रिया में मुख्य बात यह थी कि इसमें किसी भी समान को लॉकडाउन को देखते हुए बच्चों को अलग से खरीदने की आवश्यकता नहीं थी तथा इस दौरान कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चे उन्मुक्त होकर पूरे कार्यक्रम के दौरान सहभागिता करते रहे। इस पूरे कार्यक्रम में संस्था की प्राचार्य श्रीमती मनीषा खत्री और पूरे स्टाफ ने महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया।

पुराने सामानों से बच्चों ने बनाना सीखा हैंगिंग क्राफ्ट

भास्कर न्यूज़ | जगदलपुर

शहर के स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में इन दिनों बच्चों को कलात्मक और रचनात्मक चीजें बनाना सिखाया जा रहा है। ऑनलाइन दिए जाने वाले इस प्रशिक्षण में बच्चों को घर में पड़े पुराने सामानों से हैंगिंग क्राफ्ट बनाना सिखाया गया।

शिक्षिका पूनम श्रीवास्तव ने पुराने पड़े सामानों, जिसमें पुराने अखबार, कार्डबोर्ड, सीडी, सजावटी सामान और फेवीकॉल का उपयोग करते हुए इससे आकर्षक हैंगिंग क्राफ्ट बनाया। वहीं बच्चों ने भी इसे देखकर क्राफ्ट सीखा। इसके अलावा शिक्षिका सुचित्रा सामंत सिंह ने बच्चों को घर पर ही राखी बनाना सिखाया। उन्होंने बताया कि मोती, धागा सहित अन्य चीजों से आकर्षक राखी बनाई जा सकती है। वहीं बच्चों ने भी अपने घरों में ऑनलाइन सीखकर राखी बनाई। संस्था की प्राचार्य मनीषा खत्री ने बताया कि लॉकडाउन में जहां स्कूल बंद है, वहीं बच्चों को इस तरह की रचनात्मक और कलात्मक गतिविधियां सिखाई जा रही हैं। इसमें बच्चे भी बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं।

ऑनलाइन कक्षा के जरिए बच्चों को शिक्षिका ने सिखाया राखी बनाना।

जगदलपुर। बच्चों को ऑनलाइन हैंगिंग क्राफ्ट सिखाती शिक्षिका।

ऑनलाइन संगीत व भाषण प्रतियोगिता

जगदलपुर। वर्तमान परिस्थिति में जहां नकारात्मक विचार हर तरफ घर कर रहा है शैक्षणिक संस्थान, कार्यालय बंद है वही बच्चों के लिए

नई पहल • स्वामी विवेकानंद स्कूल के बच्चों के लिए चलाया जा रहा ऑनलाइन कार्यक्रम, रोज अलग विषयों पर दे रहे जानकारी

चित्रकला की बारीकियां सिखाने के साथ बच्चों को रोज ऑनलाइन नई कला सिखा रहे अंग्रेजी स्कूल के शिक्षक

पेंसिल शेडिंग आर्ट के साथ चित्रकला सीख रहे बच्चे

कोरोना से बचाव के लिए की ऑनलाइन काउंसिलिंग

पुराने गत्ते के डिब्बों से फ्रेम बनाना सिखाया गया

बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बने रहने सिखा रहे योग, खेल गतिविधियां भी चला रहे

10 हजार लोगों ने रोटरी रसोई का भोजन ग्रहण किया

इंग्लिश स्कूल में चल रहा आनलाइन समर कैंप

सलाद बना बच्चों ने जीता मां का दिल, सेल्फी भी ली

आयोजन

मदर्स डे पर विवेकानन्द स्कूल में विविध कार्यक्रम आयोजित

वर्चुअल आयोजन में शिक्षकों ने दिया प्रशिक्षण, कविता पाठ भी

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर. www.navbharat.org

इन बच्चों ने पढ़ी कविताएं

मातृ दिवस पर आयोजित कविता पाठ में भुवनेश्वरी कक्षा 11वीं, हिमांक कक्षा 10 वी, अंगेश कक्षा 8वीं, बुशरा कक्षा 6वीं, आयुष एवं अनुषा कक्षा 5 वी, वर्षा एवं महक कक्षा 4 थी, आकांक्षा, अभिनव एवं आरोही कक्षा 3 री ने अपनी प्रस्तुतियां दीं. वहीं निबंध लेखन में रिया कक्षा 10वीं, भुवनेश्वरी कक्षा 11वीं, मैत्रिका कक्षा 9वीं ने माँ पर निबंध लेखन किया.

कार्यक्रम की सराहना

उपरोक्त कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को कोरोना काल में व्यस्त रखने के लिए शिक्षकों द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं की तारीफ करते हुए संस्था की प्राचार्य श्रीमती मनीषा खत्री ने बताया कि यह छात्रों के बौद्धिक विकास एवं समय के सही उपयोग करने के उद्देश्य से बहुत ही कारगर है. इस तरह के आयोजन समय-समय पर होते रहेंगे.

...शिक्षिका के द्वारा माँ के साथ सेल्फी कार्यक्रम, व्याख्याता संस्कृत श्रीमती नम्रता सिंह द्वारा ऑनलाइन कुकिंग विथाउट फायर क्लास के अंतर्गत प्रोटीनयुक्त अंकुरित सलाद बनाने की विधि सिखाई गई. व्याख्याता जीव विज्ञान संदीप ...ता द्वारा कविता पाठ का कार्यक्रम, व्याख्याता भौतिकशास्त्र श्रीमती सौम्या देवांगन द्वारा निबंध लेखन एवं किसलोल बाल पत्रिका में चयनित 3 बच्चों हिमांक नायक कक्षा 10वीं, सीरत फातिमा कक्षा 9वीं तथा सेविता भूदीप कक्षा 8वीं द्वारा स्वरचित कविता का पठन किया.

पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड में यह सुविधा जो दूसरे वार्डों में शुरू भी नहीं हो पाई

प्रदेश की पहली इंग्लिश मीडियम कक्षाएं बीपी पुजारी स्कूल में

मेरा मोहल्ला महान : पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड

एडमिशन में बढ़ रही रुचि

प्राइवेट स्कूलों जैसी सुविधा

SAGES: YOUNG PROFESSIONALS LEARNING COMMUNITY

PLC Crosses 1,000+ teacher membership with more than 14,000% engagement rate!

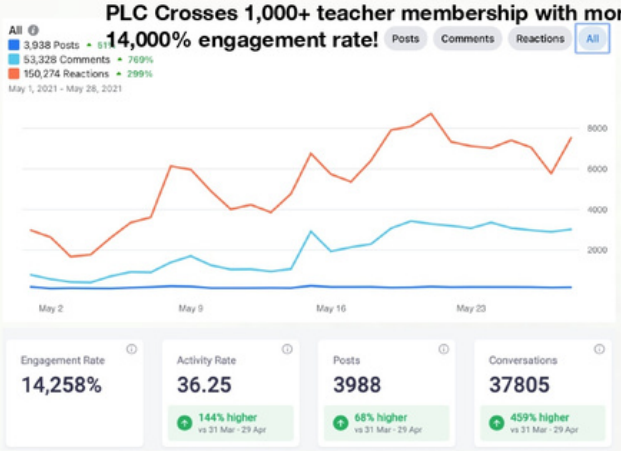

Engagement Rate	Activity Rate	Posts	Conversations
14,258%	36.25	3988	37805
	144% higher vs 31 Mar - 29 Apr	68% higher vs 31 Mar - 29 Apr	459% higher vs 31 Mar - 29 Apr

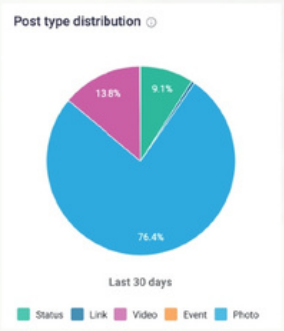

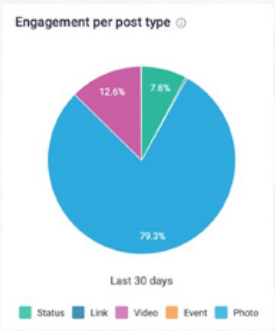

1	Anjana Singh +2	194	8,413	16,843
2	Shruti Pandey +2	138	4,639	5,857
3	Santosh Kumar Nishad	136	4,426	5,152
4	Sangita Saha +2	129	3,986	4,211
5	Adesh Kaur Bindra +2	89	4,063	8,023
6	Deepshikha Rawat Joined 16 weeks ago	20	3,823	7,227
7	Manju Mukesh Garg	81	2,235	4,058
8	Nikhil Rao	115	1,720	3,395
9	Bulbul Jaiswal Kundu	66	1,358	2,108
10	Deepti Chandrakar Joined 16 weeks ago	24	1,449	1,689

Days of Significance: Monthly Challenge with #tags

Date	Event	Significance	Hashtags
1 June	Global Day of Parents	UN General Assembly proclaimed this day in 2012 by passing a resolution and honours parents for their relentless support, sacrifice and commitments towards their children.	#parentsday
1 June	World Milk Day	This day is celebrated to mark the important contributions of the dairy sector to sustainability, economic development, livelihoods and nutrition.	#milkday
3 June	World Bicycle Day	To recognise the uniqueness, longevity and versatility of the bicycle, which are affordable, environmentally friendly fit sustainable means of transportation.	#bicycleday
4 June	International Day of Innocent Children Victims of Aggression	To raise awareness about Child rights.	#notochildlabor
5 June	World Environment Day	The theme of World Environment Day 2021 is "Ecosystem Restoration".	#envday
7 June	World Food Safety Day	To draw global attention to the consequences of contaminated food and water to health.The safety of food is a key to achieve Sustainable Development Goals.	#foodsafetyday
8 June	World Brain Tumour Day	To raise international public attention to the people that are suffering from serious disease and the urgent need for more research. Several events are organised around the world to educate about brain tumours.	#braintumorday
8 June	World Oceans Day	To empower people of all ages to become leaders of their own and stop polluting ocean, water bodies. This day spread awareness about reducing single-use plastics and taking action necessary to bring real change	#oceansday
12 June	World Day Against Child Labour	To focus attention on the worldwide extinction of child labour, efforts and the action required to eliminate it. In 2015, world leaders adopted the Sustainable Development Goals (SDGs) in which they have included a clause to end child labour.	#notochildlabor
14 June	World Blood Donor Day	To raise awareness about the urgency of blood donations all over the world and to acknowledge and appreciate blood donors for their support.	#blooddonorday
15 June	World Wind Day	To promote clean energy. It is a day to discover wind energy, its power and the possibilities it holds to reshape our energy systems, decarbonise our economies and increase jobs and growth.	#windday
15 June	World Elder Abuse Awareness Day	To raise the voice for caring elders. Elder abuse is a global social issue that affects the Health and Human Rights of millions of older persons around the world. The day was officially recognised by the United Nations General Assembly.	#care4eldersday

Date	Event	Significance	Hashtags
17 June	World Day to Combat Desertification and Drought (International)	To remind people that desertification can be effectively tackled, solutions are possible and important is participation and cooperation at all levels.	#desertdroughtday
18 June	Autistic Pride Day	To represent diversity and infinite possibilities. This is a day for the patients suffering from autism to come together with their families or caregivers. A day to promote awareness, acceptance and autonomy.	#autisticprideday
18 June	International Picnic Day	To enjoy in nature, with your near and dear ones. But this time, celebrate picnic at home.	#homepicnicday
19 June	World Sickle Cell Awareness Day	To raise awareness about Sickle Cell Disease (SCD) and the struggle that the sufferers or a patient family face.	#sicklecellday
19 June	World Sauntering Day	To make people remind to slow down and enjoy life as possible instead of rushing always. This day also reminds us to take easy, take time to smell roses, take time to see nature that is so beautiful, look at the sky and enjoy life.	#saunteringday
20 June	World Refugee Day	To raise awareness about the struggles that refugee face around the world. World Refugee Day also marks a key moment for the public to show support for families forced to flee.	#refugeeday
20 June	World Father's Day	It is observed every year on the third Sunday of June to commemorate fatherhood and appreciates all fathers for their support and contribution to society.	#ilovemyfather
21 June	World Music Day	To promote music on an international level and is a way to establish global harmony through music.	#musicday
21 June	World Hydrography Day	To increase public awareness about hydrography science. Every year the International Hydrographic Organisation (IHO) and its international members celebrate this day.	#hydrographyday
21 June	International Yoga Day	To raise awareness about yoga in life and to make people aware of the benefits of yoga. In India, International Yoga Day is celebrated by the Ministry of AYUSH.	#yogaday
23 June	International Olympic Day	To make people aware of the importance of games in life. Olympic Day is much more than a sports event. It is a day for the world to get active.	#olympicday
26 June	International Day against Drug Abuse and Illicit Trafficking	To make people aware of the harmful effects of drugs and to determine a society free of drug abuse.	#notodrugs
30 June	World Asteroid Day	To provide online education about the asteroid.	#asteroidday

सर्वे क्रमांक सोलह – 26 अप्रेल, 2021 से 25 मई, 2021

शिक्षकों/विद्यार्थियों को घर पर आपदा/महामारी की स्थिति में स्वयं एवं अपने स्वजनों के सहायतार्थ बेसिक कौशलों में दक्ष किए जाने के संबंध में अभिमत

एक साल से कोरोना महामारी ने हम सबको बहुत कुछ सिखाया है। विभाग ने स्कूलों के लाकडाउन के दौरान बच्चों का सीखना जारी रखने शिक्षकों की पहल से बहुत कुछ नया किया है। पर जब हमें थोड़ी सी राहत मिली तो हम सब लापरवाह हो गए। कोरोना की दूसरी लहर आई और हम पिछले बार की तुलना में ज्यादा मुसीबत में पड़ चुके हैं। ऐसे में सोचने वाली बात यह है कि हमने इसके आगे उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों के बारे में नहीं सोचा और न ही कोई तैयारी की। हम सबको इसके आगे आने वाली आपदाओं के बारे में सोचकर अब अविलंब अपनी तैयारी कर लेनी चाहिए ताकि तीसरी लहर आने के पहले हमारी तैयारी हो।

हमारे विभाग के कुछ साथियों को अपने स्वजन बहुत ही मामूली चीजों की वजह से खोने पड़े क्योंकि उन्हें समय पास डाक्टर या नर्स की सुविधा नहीं मिल पाई जो उन्हें इंजेक्शन लगाने या आक्सीजन चढाने में समय पर सहयोग दे सके। समस्त संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद ऐसे छोटे साधारण हुनर के अभाव में उन्हें अपने स्वजनों को अपने आँखों में सामने खोता हुआ देखना पडा। स्कूलों में इतने वर्ष व्यतीत करने के बाद भी हम कुछ बेहद मामूली हुनर भी अपने विद्यार्थियों को नहीं सिखा पाते। इस पर तत्काल काम करने की आवश्यकता है और अगली लहर के पहले इस दिशा में ठोस पहला धरातल पर कर लेनी चाहिए ताकि हमारे पास ऐसे आपदाओं से निपटने पर्याप्त संख्या में मानव संसाधन के रूप में कुशल टीम उपलब्ध हो जो और कुछ तो नहीं तो कम से कम अपने स्वजनों को सहयोग करने में सामर्थ्यवान हो। इसी विषय को लेकर सर्वे हेतु विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए यह प्रश्न तैयार किया गया था-

"क्या नियमित पाठ्यक्रम के अलावा एक उपयोगी नागरिक बनाने की दिशा में आपको सामान्य आपदा प्रबन्धन एवं स्वास्थ्य संबंधित सामान्य/आवश्यक देखभाल के हुनर भी सिखाए जाने चाहिए ?"

इस सर्वे में कुल **14703** प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें से कुल **5078** विद्यार्थी एवं **9625** शिक्षकों ने अपना मत दिया।

विद्यार्थियों का अभिमत:

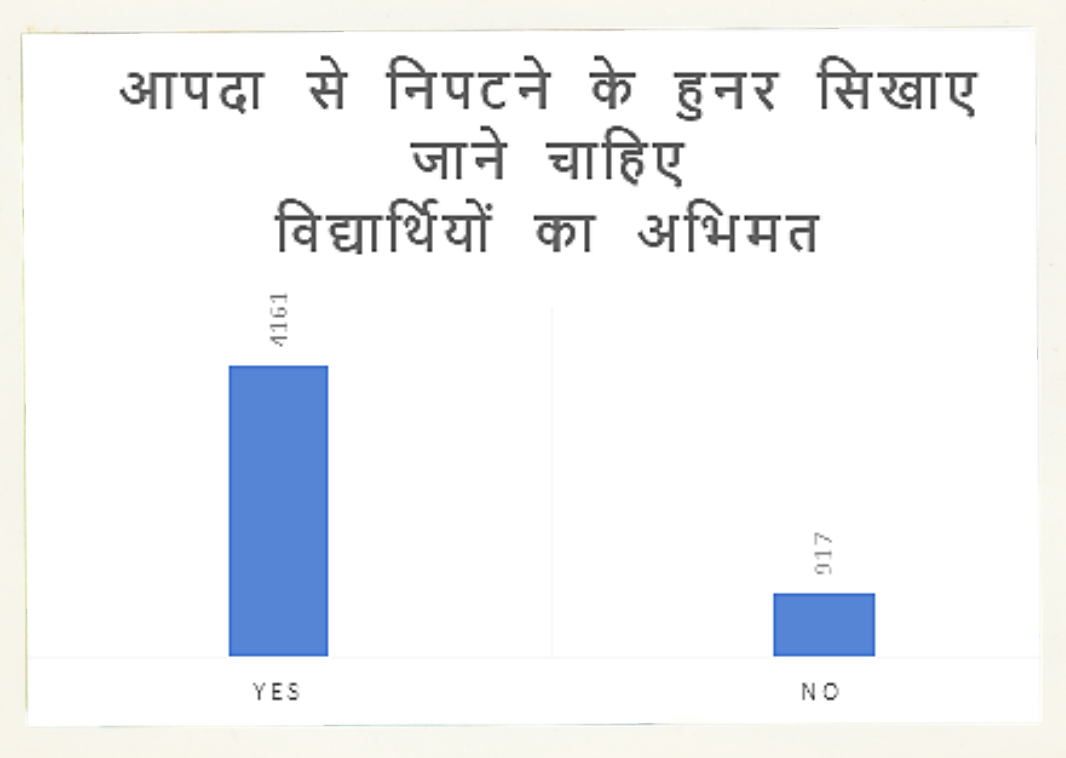

शिक्षकों का अभिमत:

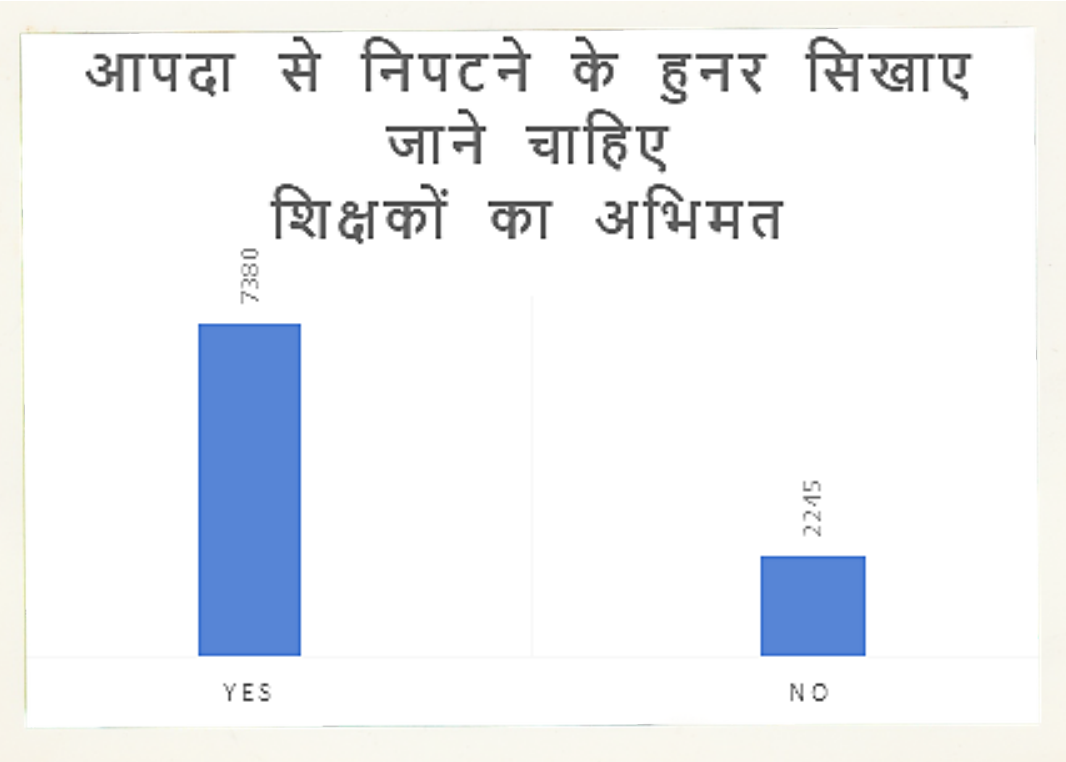

उपरोक्त दोनों अभिमत देखने पर **77%** शिक्षकों एवं **82%** विद्यार्थियों ने आपदाओं से निपटने हेतु स्कूलों में हुनर सिखाए जाने पर अपनी सहमति दी है।

फोलो-अप एक्शन:

राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा द्वारा इस दिशा में कार्य करने हेतु विभिन्न गैर- शासकीय संगठनों से संपर्क किया। संपर्क फाउंडेशन द्वारा डाक्टरों के एक बड़े दल के साथ मिलकर शिक्षकों को कोरोना से बचाव एवं किसी भी प्रकार के मार्गदर्शन हेतु निःशुल्क काल सेंटर की व्यवस्था की है। *सम्पर्क फाउंडेशन* ने एक *हेल्थलाइन नंबर +91 8068172473* जारी किया है। यदि किसी शिक्षक या उनका परिवार जो कोरोना से ग्रसित है या जिनको

कोरोना के लक्षण है,वे इस नंबर पर वीडियो कॉल के माध्यम से डॉक्टरों से परामर्श व दवाई की पर्ची प्राप्त कर सकते है।
यह सेवा सम्पर्क स्मार्टशाला ऐप में रजिस्टर्ड सभी शिक्षकों के लिए सम्पर्क फाउंडेशन की ओर से निःशुल्क है।

Sampark Smart Shala App link:

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.sf.app

यह लिंक टेलीग्राम में छत्तीसगढ़ समग्र शिक्षा अकादमिक चेनल में उपलब्ध है। उनके द्वारा कोरोना से बचाव संबंधी विभिन्न कार्यों की जानकारी हेतु हेल्प वीडियो भी बनाए जा रहे हैं। इस कार्य को आगे बढाने हेतु हमें प्राथमिक से लेकर हायर सेकन्डरी स्तर तक एवं शिक्षकों के लिए किन किन मुद्दों पर कितनी जानकारी और कौशल सिखाया जाना है इसकी सूची यथाशीघ्र तैयार कर स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर काम करना होगा। कुछ कौशल या हुनर इस प्रकार हो सकते हैं-

- विभिन्न प्रकार के संक्रमण / रोगों के लक्षण, पहचान एवं सावधानियां
- आपदा की स्थिति में विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों/ उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी
- शरीर का तापमान, ब्लड प्रेशर एवं शुगर आदि नाप पाने का हुनर
- डाक्टर की पर्ची को पढ़कर समय पर सही दवाई दे पाने का कौशल
- सामान्य तौर पर लक्षणों को ध्यान में रखकर ली जाने वाली दवाओं की जानकारी
- घर पर काढा बनाने एवं अन्य आवश्यक घरेलू उपचार की जानकारी
- पल्स आक्सीमीटर एवं आक्सीजन चढाने का तरीका
- हाथ धोने एवं स्वच्छता के सही तरीकों से परिचय
- मरीजों की काउंसिलिंग हेतु आवश्यक कौशल एवं उन्हें भय से दूर रखना
- इंजेक्शन अथवा केनूला लगाने के सही तरीके
- पीपीई किट, मास्क आदि का सही उपयोग एवं निपटारे के तरीके
- भोजन की सही आदतें एवं विभिन्न जीवन रक्षक टिप्स
- स्वास्थ्य लाभ हेतु योग एवं कुछ घरेलू उपाय
- स्थानीय स्तर पर सेनिटाइजर बनाना एवं उनका उपयोग

इसके पहले कि ऐसी आपदाओं की आगामी लहरें आए हम सबको ऐसी तैयारी कर लेनी चाहिए कि हम अपने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को एक उपयोगी नागरिक बनाने की दिशा में ठोस कार्य कर सकें। इस हेतु विभाग को अपने करिकुलम में आवश्यक मुद्दों को तत्काल शामिल करते हुए व्यावसायिक शिक्षा में उपलब्ध संसाधन, स्वास्थ्य शिक्षा हेतु उपलब्ध योजनाओं, आपदा प्रबन्धन हेतु उपलब्ध बजट आदि का उपयोग कर तत्काल क्षमता विकास एवं जागरूकता हेतु कार्य प्रारंभ कर लेना चाहिए।

शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए वर्चुअल स्कूल में शीघ्र प्रारंभ होगा प्रवेश

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के अंतर्गत छत्तीसगढ़ वर्चुअल स्कूल की स्थापना

वर्तमान में कोविड-19 महामारी के कारण न केवल सभी स्कूल बंद है बल्कि छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के विद्यार्थी भी संपर्क केन्द्रों में जाकर अध्ययन नहीं कर पा रहे है। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक हो गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर एक वर्चुअल स्कूल की स्थापना की जाये। अतः छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के अंतर्गत छत्तीसगढ़ वर्चुअल स्कूल की स्थापना की गयी है। शैक्षणिक सत्र **2021-22** के लिए वर्चुअल स्कूल में शीघ्र प्रवेश प्रारंभ होगा।

यह वर्चुअल स्कूल ऐसे विद्याथियों को पढ़ाने का कार्य करते हैं जो नियमित रूप से स्कूलों में अध्ययन नहीं कर सकते। छत्तीसगढ़ में ऐसे विषयों की पढ़ाई का कार्य छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल को दिया गया है। अभी तक छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल द्वारा ऐसे विद्यार्थियों को पठन-पाठन की सामग्री उपलब्ध करायी जाती है तथा कुछ दिनों के लिये अध्ययन केन्द्रों पर समक्ष पढ़ाई का अवसर भी दिया जाता है जिसके पश्चात् ये विद्यार्थी छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल की परीक्षा में सम्मिलित होकर प्रमाण पर प्राप्त करते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल का प्रमाण पत्र छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के प्रमाण पत्र के समतुल्य है।

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के सचिव प्रोफेसर व्ही.के. गोयल ने बताया कि वर्चुअल स्कूल के अंतर्गत कक्षा **9**वीं, **10**वीं, **11**वीं एवं **12**वीं के छात्र प्रवेश ले सकेंगे। इसके अंतर्गत छात्र प्रवेश, पढ़ाई एवं परीक्षा आदि समस्त कार्य ऑनलाईन पद्धति से होंगे। कक्षा **9**वीं **10**वीं के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान आदि छः विषयों की पढ़ाई होगी। इसी प्रकार कक्षा **11**वीं एवं **12**वीं के लिए कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय की पढ़ाई होगी।

कक्षा **9**वीं एवं **10**वीं के लिए सभी छः विषय अनिवार्य होंगे तथा कक्षा **11**वीं एवं **12**वीं के लिए छात्र कला, विज्ञान (जीवविज्ञान या गणित) एवं वाणिज्य संकाय लेकर प्रवेश ले सकते हैंछत्तीसगढ़ वर्चुअल स्कूल के पोर्टल का निर्माण एनआईसी द्वारा किया जा रहा है जो **VIRTUALSCHOOL.CG.NIC.IN** में उपलब्ध होगा। इस पोर्टल में विद्यार्थी अपनी इच्छा अनुसार, पात्रतानुसार किसी भी पाठ्यकम में प्रवेश ले सकते हैं। इस पोर्टल में विषयवार लर्निंग वीडियोस, स्टडी मटेरियल, असाइनमेंट, क्विज़ आदि उपलब्ध रहेंगे जिसे विद्यार्थी कहीं से भी इंटरनेट के माध्यम से देख सकते हैं। विद्यार्थी को अपने चुने हुए मेंटर से शंका संबंधी प्रश्न पूछने व वार्तालाप करने की भी सुविधा होगी। प्रत्येक विषय के प्रत्येक इकाई के लिए असाइनमेंट जारी किये जायेंगे। सर्वप्रथम छात्र को प्रथम इकाई के आधार पर असाइनमेंट जारी किया जायेगा।

जब छात्र प्रथम इकाई के असाइनमेंट में उत्तीर्ण हो जायेगा तो वह द्वितीय इकाई की पाठ्य सामग्री, वीडियो लेक्चर एवं असाइनमेंट को देख सकेगा इसी प्रकार सभी असाइनमेंट को उत्तीर्ण करने के पश्चात् ही वह मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए पात्र होगा।

शिक्षकों के लिए उपयोगी

'चर्चा पत्र' का सातवें वर्ष में प्रवेश

राज्य में संकुल स्तर पर शिक्षकों को मासिक बैठक सह प्रशिक्षण में उपस्थित होकर सतत क्षमता विकास का प्रावधान किया गया है। विभिन्न जोयंट रिव्यू मिशन द्वारा शिक्षकों के सतत क्षमता विकास पर जोर दिया गया है। सीमित संख्या में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं द्वारा इतनी बड़ी संख्या में शिक्षकों को लंबी अवधि का प्रशिक्षण देना संभव नहीं हो पाता। आमतौर पर संकुल स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में ठोस दिशानिर्देश के अभाव में अकादमिक मुद्दों पर बातचीत न होकर प्रशासनिक बातों, सूचनाओं के संकलन आदि पर ही पूरा फोकस हो जाता है।

इस कमी को दूर करने हेतु राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा विगत छह वर्षों में प्रतिमाह एक तारीख को चर्चा पत्र तैयार कर शिक्षकों को उपलब्ध करवाया जाता है। चर्चा पत्र को राज्य परियोजना कार्यालय में पेडागोजी शाखा द्वारा तैयार कर विभिन्न सोशियल मीडिया ग्रुप के माध्यम से पहले साझा किया जाता था लेकिन अब इसे **cgschool.in** वेबसाईट में इसके ऑडियो वर्शन के साथ डाउनलोड कर पढने हेतु उपलब्ध कराया जाने लगा है। इस पूरी प्रक्रिया में शून्य लागत आती है लेकिन जमीनी स्तर पर इसका विस्तार एवं प्रभाव बहुत अधिक है।

चर्चा पत्र में उन्हें अकादमिक चर्चाओं के आयोजन हेतु कुल दस एजेंडा उपलब्ध करवाए जाते हैं और इन दस एजेंडा पर चर्चा कर स्कूलों में लागू करने हेतु स्थानीय स्तर स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर आपस में मिलकर कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं। आमतौर पर मासिक बैठकें इस प्रकार से रखी जाती हैं कि नियमित कक्षाएं कम से कम प्रभावित हों। मासिक बैठकों में लिए गए निर्णयानुसार शिक्षक अपने अपने शालाओं में आवश्यक गतिविधियों का आयोजन करते हैं और उसकी जानकारी सोशियल मीडिया के माध्यम से एक दूसरे से साझा भी करते हैं। उदाहरण के लिए जब हमने आग्मेंटेड रियालिटी की जानकारी दी तब सैकड़ों शिक्षकों ने अपनी अपनी कक्षा में इस टेक्नोलोजी का प्रयोग कर कक्षा को रोचक बनाने का प्रयास किया।

राज्य में स्कूलों में चर्चा पत्र के माध्यम से बहुत सारे बदलाव लाने में सफलता मिली जैसे प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी का गठन, सामाजिक अंकेक्षण, शून्य निवेश नवाचार को प्रोत्साहन, विज्ञान के रोचक प्रयोग, माताओं का उन्मुखीकरण, शाला

विकास योजनाएं आदि। चार वर्षीय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान एवं पढई तुंहर दुआर जैसी योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न घटकों को समझाने हेतु चर्चा पत्र का अच्छा उपयोग किया गया। इसके अलावा सैकड़ों और ऐसे कार्य हैं जिसे जमीनी स्तर पर उतारने में, लागू करने में चर्चा पत्र की महती भूमिका रही।

राज्य में स्वच्छता संबंधी पुरस्कार पाने में चर्चा पत्र का योगदान महत्वपूर्ण रहा। स्वच्छता सर्वे के सभी प्रश्नों को हमने चर्चा पत्र के माध्यम से शिक्षकों तक साझा किया जिससे उन्हें प्रश्नों की आफलाइन जानकारी मिलने पर वे पूरी तैयारी के साथ सर्वे की आनलाइन प्रविष्टि कर सके। इसी प्रकार इग्नाईट एवं इंस्पायर अवार्ड में सहभागिता एवं एक लाख से अधिक शिक्षकों द्वारा विभिन्न आनलाइन कोर्सेस को करने हेतु प्रोत्साहित करने में चर्चा पत्र सफल रहा।

राज्य स्तर पर इस शून्य निवेश नवाचार के सफलतापूर्वक विगत छः वर्षों के संचालन के अनुभव के आधार पर निम्नलिखित सुझाव हैं-

- इस पूरी प्रक्रिया का अध्ययन कर अलग अलग टीम बनाकर चर्चा पत्र के सेकन्डरी एवं प्रशासनिक अधिकारियों के स्तर तक तैयार कर उपलब्ध करवाना चाहिए। प्रशासनिक अधिकारियों के लिए सीमेट से इस कार्य को प्रारंभ करना चाहिए।
- हायर सेकन्डरी स्तर पर विभिन्न विषयों के लिए प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी का गठन कर उनके माध्यम से भी विषय-आधारित चर्चा पत्र निकाला जाना चाहिए।
- शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं को अपने प्रत्येक प्रशिक्षण में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर उनके सतत क्षमता विकास की प्रक्रिया जारी रखनी चाहिए।
- चर्चा पत्र का मुद्रण कर वितरण करने हेतु बजट की व्यवस्था कर लेनी चाहिए और सभी शिक्षकों को इसे नियमित पढने हेतु उपलब्ध करवाया जाना चाहिए।

हमारे नायक में चयनित होने हेतु विभिन्न थीम

हमारे नायक को प्रारंभ हुए अब एक वर्ष हो गए हैं। इस एक वर्ष का हमारे नायक का सफ़र काफी यादगार रहा। एक वर्ष के पूरा होने पर आयोजित वेबीनार को भी अच्छा प्रतिसाद मिला। इस कार्यक्रम को चार हजार से अधिक लोगों ने देखा। अभी तक हमारे नायक में लगभग आठ सौ के करीब ब्लॉग लिखे जा चुके हैं। हमारे नायक के अब तक कुल तेरह चक्र पूरे हो चुके हैं। प्रत्येक चक्र में किसी एक थीम पर प्रत्येक जिले से दो-दो प्रतिभागियों के ब्लॉग लिखे जाते हैं। अतः यदि कोई एक थीम है और उस पर जिले से बहुत सारे लोग काम कर रहे हैं तो क्षेत्र में ब्लॉग लेखनों द्वारा पुष्टि कर सबसे बेहतर कार्य कर रहे प्रतिभागियों का चयन किया जाता है। अतः सभी इच्छुक एवं सामर्थ्यवान प्रतिभागी कई बार इस कार्यक्रम में शामिल होने से वंचित हो जाते हैं। ऐसे प्रतिभागियों को आगे के चरणों के थीम की जानकारी लेकर उन बिन्दुओं पर बेहतर कार्य कर दिखाने का प्रयास करना चाहिए।

हमारे नायक के माध्यम से यह प्रयास किया जाता है कि संबंधित नायक स्वयं अपना प्रस्ताव न देकर उनके कार्यों से प्रभावित होकर उसके आसपास के साथी शिक्षक अथवा अधिकारी उनके नाम का प्रस्ताव दें। प्रत्येक चरण के लिए प्रस्ताव प्राप्त करने हेतु लिंक भेजा जाता है। प्रत्येक जिले से प्राप्त प्रस्तावों का फील्ड में वेरिफिकेशन ब्लॉग लेखनों की टीम द्वारा किया जाता है। सत्यता एवं प्रभाविता के आधार पर प्रत्येक जिले से एक नायक पर ब्लॉग लिखा जाता है। ब्लॉग लेखन का कार्य अब हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत एवं विभिन्न स्थानीय भाषाओं में होता है और इनके लिए दिन निर्धारित हैं।

हमारे नायक के आगामी चरणों के लिए विषय इस प्रकार हैं-

थीम एक:

बच्चों के शिक्षा पर ध्यान देने वाले और उनके शिक्षा लगातार जारी रखने के लिए सामने आकर कार्य कर रहे हैं शाला प्रबंधन समिति का विवरण – **SMC active member**

ऐसे अधिकारी जो शाला प्रबन्धन समिति को लगातार सक्रिय रखकर उन्हें बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देने हेतु प्रोत्साहित कर रहे हैं – शिक्षक/**CAC/BRCC/BEO/DEO**/संकुल प्राचार्य द्वारा

थीम दो:
ग्रीष्मकाल के दौरान आमाराईट परियोजना के अंतर्गत बहुत अच्छा कार्य कर रहे शिक्षक/**CAC/BRCC/BEO/DEO**/संकुल प्राचार्य द्वारा आमाराईट परियोजना में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर विभिन्न प्रायोजना का निर्माण कर रहे विद्यार्थी - विद्यार्थी

थीम तीन:
युवा एवं इको क्लब को पुनर्जीवित करने के लिए कुछ नया कर रहे शिक्षक/**CAC/BRCC/BEO/DEO**/ संकुल प्राचार्य द्वारा
युवा एवं इको क्लब को पुनर्जीवित करने के लिए कुछ नया कर रहे क्लब के मंत्री - विद्यार्थी

थीम चार:
व्हात्सेप ग्रुप बनाकर शिक्षकों/ अधिकारियों द्वारा अधिक से अधिक बच्चों को कक्षावार नियमित शिक्षा देने हेतु नवाचारी पहल करना -
शिक्षक/**CAC/BRCC/BEO/DEO**/संकुल प्राचार्य द्वारा
वात्सेप्प ग्रुप में जुड़कर अपनी कक्षा के विभिन्न विषयों को रूचि लेकर सीखने हेतु तत्पर विद्यार्थियों का विवरण - विद्यार्थी

थीम पांच:
शाला संकुल योजना के अंतर्गत बच्चों को बेहतर शिक्षा देने हेतु नवाचारी पहल कर रहे पंजीकृत प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के कार्यों का विवरण -
वेबसाईट में पंजीकृत प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के लीडर्स
शाला संकुल योजना को सफल बनाने हेतु अपने स्तर पर बेहतर कार्य कर रहे शाला संकुल प्राचार्य एवं उच्च अधिकारियों द्वारा किए जा रहे विभिन्न नवाचारी प्रयासों का विवरण- **CAC/BRCC/BEO/DEO**/संकुल प्राचार्य द्वारा

थीम छह:
बच्चों को उनकी अपनी भाषा में शिक्षा देने हेतु नवाचारी पहल कर रहे पंजीकृत प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के कार्यों का विवरण -
वेबसाईट में पंजीकृत प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के लीडर्स
अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक बच्चों को उनकी अपनी भाषा में सीखने के अवसर देने हेतु नवाचारी पहल कर रहे अधिकारियों के कार्यों का विवरण-**CAC/BRCC/BEO/DEO**/संकुल प्राचार्य द्वारा

आप सभी संबंधित हितग्राहियों से आग्रह है कि उपरोक्तानुसार अपने क्षमता एवं रूचि के क्षेत्र का चयन कर उसमें जमीनी स्तर पर अधिक से अधिक क्षेत्रों में विस्तार एवं स्वयं भी उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य संपन्न करते हुए एक मोडल प्रस्तुत करें। आपको उपरोक्तानुसार विभिन्न थीम पर बेहतर कार्य कर रहे प्रतिभागियों के नाम प्रस्तावित करने हेतु शीघ्र लिंक भेजे जाएंगे जिसमें से फील्ड वेरिफिकेशन के बाद हम प्रत्येक जिले से दो-दो नायकों का चयन कर उन पर ब्लॉग लिख सकेंगे।

कोरोना काल में छत्तीसगढ़ में अध्ययन-अध्यापन की अनूठी पहल

शिक्षकों के योगदान को प्रमुख सचिव ने सराहा

पढ़ई तुहंर दुआर पोर्टल के हमारे नायक कॉलम के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में **25** मई को छत्तीसगढ़ समग्र शिक्षा द्वारा राज्य स्तरीय वेबीनार -सफरनामा (शानदार एक साल) का आयोजन किया गया। वेबीनार का सीधा प्रसारण यू-ट्यूब के माध्यम से किया गया, जिसका सीधा लाभ राज्य के शिक्षकों को मिला। विगत एक वर्ष से हमारे नायक ने अलग-अलग थीम पर वास्तव में नायक के रूप में जमीनी स्तर पर चुप-चाप बिना किसी तामझाम के काम कर रहे शिक्षिकों का चयन किया जा रहा है। पिछले एक वर्ष में हमारे नायक ने अलग-अलग थीम पर चयनित कुछ चुनिंदा शिक्षकों और अधिकारियों को अपने अब तक के सफल, अनुभव और आगामी शिक्षा सत्र में बच्चों को पढ़ाई से जोड़े रखने की रणनीति को साझा करने का अवसर प्रदान किया गया। वेबिनार में स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला, प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा जितेन्द्र शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला ने शिक्षको के अनुभवों को सुना। उन्होंने राज्य के सभी शिक्षको अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी का योगदान सराहनीय है। डॉ. शुक्ला ने हमारे नायक को राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि कोरोना जैसी विषम परिस्थितियों में भी प्रदेश के शिक्षकों ने बच्चों को शिक्षा से जोड़े रखने के लिए अपना बहुमूल्य योगदान दिया। बीते एक साल में बहुत सारे शिक्षकों ने ऑनलाईन अध्यापन और नवाचारों के माध्यम से विद्यार्थियों को जोड़े रखने का भरपूर प्रयास किया। उम्मीद है कि इस वर्ष की शिक्षक ऑनलाईन माध्यम से बच्चों से जुड़े रहेंगी। इस सत्र को बेहतर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ओपन स्कूल की तर्ज पर वर्चुअल स्कूल की तैयारी कर रहा है, जिसमें विद्यार्थी भौतिक स्कूल जैसा कक्षा अध्यापन कर सकेंगे। इसके लिए पुस्तकों का वितरण विद्यार्थियों को समय रहते कर दिया जाएगा। जून के प्रथम सप्ताह तक इसकी तैयारी की जाने की योजना है। जिससे बच्चे अपना कोर्स पूरा कर सके और अंत में एक आंकलन या परीक्षा के माध्यम से ही उन्हें परीक्षा परिणाम प्रदान किया जा सके। वर्चुअल स्कूल की तैयारी के लिए अतिशीघ्र वेबिनार के जरिए सभी जिलों को सूचना प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम में प्रबन्ध संचालक समग्र शिक्षा जितेंद्र शुक्ला ने कहा कि पहले तो यह कुछ समय तक हालात लग रहा था, परन्तु सभी स्कूलों को बंद करने के पश्चात हालात और बुरे होने लगे।

प्रमुख सचिव के द्वारा पढ़ई तुंहर दुआर कार्यक्रम के अंतर्गत ऑनलाइन, ऑफलाइन, बुल्टू के बोल, लाउडस्पीकर, मोहल्ला कक्षाओं के संचालन हेतु निर्देश दिया गया। राज्य भर से चयनित बेहतर कार्य करने वाले शिक्षक, अधिकारी और बच्चे हमारे नायक के रूप में चयनित होने लगे। इससे प्रदेश के बाकि शिक्षक भी प्रोत्साहित हुए। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में छत्तीसगढ़ की इस शिक्षा पद्धति और नायकों की चर्चा होती है।

कार्यक्रम में समग्र शिक्षा के सहायक संचालक डॉ. एम सुधीश और साक्षरता मिशन के सहायक संचालक प्रशांत पाण्डेय ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन आशीष गौतम सहायक कार्यक्रम समन्वयक समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गौतम शर्मा, सीमा मिश्रा, नीलम कौर, चेतनारायण, चरणदास महंत, देविका साहू, डॉ. तरुणा सिंह आदि ब्लॉग राइटर्स टीम और समग्र शिक्षा की पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पढ़ना लिखना अभियान की समय-सीमा 31 जुलाई 2021 तक आगे बढ़ी

प्रदेश के ढाई लाख असाक्षरों को किया जाएगा साक्षर

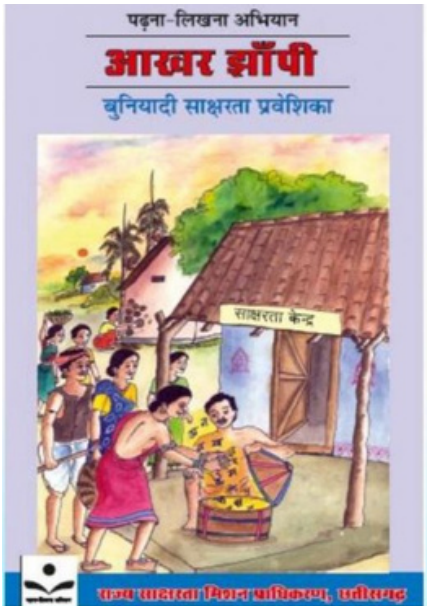

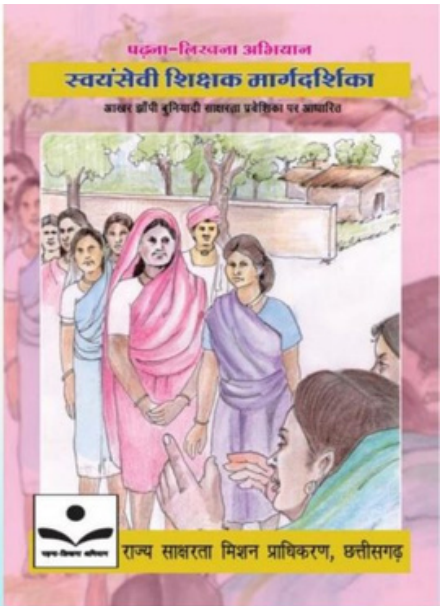

पढ़ना लिखना अभियान के अंतर्गत प्रदेश के **15** वर्ष से अधिक उम्र के ढाई लाख और असाक्षरों को साक्षर किए जाने का लक्ष्य है. इस योजना में असाक्षरों को पढ़ना, लिखना और गणितीय कौशल में वृद्धि कर साक्षरता कौशल अर्जित करने के लिए **120** घंटे की पढ़ाई कराई जानी है। पढ़ाने वाले स्वयंसेवी शिक्षक निशुल्क शिक्षा देंगे. स्कूल कॉलेज के विद्यार्थी, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड, सेवानिवृत्त व्यक्ति टीचर, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के व्यक्तियों का इस कार्य में सहयोग लिया जाना है।

इस कार्यक्रम के समन्वय के लिए स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा पूरे प्रदेश में असाक्षरों व स्वयंसेवी शिक्षकों का चिंहांकन अर्थात सर्वे का कार्य कर लिया गया है. सर्वे के बाद उसे **cgschool.in** पोर्टल में अपलोड भी कर लिया गया है. स्वयंसेवी शिक्षकों को पढ़ाने के लिए विशेष तकनीकी अपनाई जाती है. उन्हें विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है. इसके लिए प्रत्येक जिले में दो-दो रिसोर्स पर्सन वह प्रत्येक ब्लॉक में आनुपातिक रूप से कुशल प्रशिक्षकों का चयन कर उनका ऑनलाइन प्रशिक्षण भी किया जा चुका है।

छत्तीसगढ़ी परिवेश अनुसार बुनियादी साक्षरता प्रवेशिका आखर झाँपी व स्वयंसेवी शिक्षक मार्गदर्शिका भी तैयार कर जिलों में वितरित कर दी गई है।आखर झाँपी व स्वयंसेवी शिक्षक मार्गदर्शिका के फोटो अपलोड कर रहे हैं सभी **24** पाठों का ई प्राईमर भी बनाकर यूट्यूब में अपलोड किया जा चुका है ताकि डिजिटल माध्यम से भी पढ़ाया जा सके। इसी प्रकार प्रत्येक सामग्री केंद्रों में पहुँचने के पश्चात उसकी मॉनिटरिंग के लिए एक विशेष ऐप सीजी पढ्न लिखना अभियान एप बनाया गया है जिससे जिलों में भेजी गई सामग्री का वास्तविक मूल्यांकन किया जा सके। सभी जिलों में कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण का गठन कर लिया गया है। इसी प्रकार ब्लॉक स्तर ग्राम स्तर और नगरीय निकायों में भी विभिन्न प्रकार की समितियां गठित की जा चुकी हैं। अधिक से अधिक तैयार की गई साक्षरता पठन सामग्रीयों को व्हाट्सएप्प ग्रुप, टेलीग्राम ग्रुप, यू ट्यूब चैनल में उपलब्ध किया गया है।

जिला शिक्षा अधिकारियों को जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण का सदस्य सचिव बनाया गया है. जिला परियोजना अधिकारी इसमें समन्वय का कार्य करेंगे. इसी प्रकार विकास खंड स्तर पर विकास खंड शिक्षा अधिकारियों को प्रभारी बनाया गया है। गौरतलब है कि पढ़ना लिखना अभियान के अकादमिक व तकनीकी सहयोग व समर्थन के लिए राज्य स्तर पर एससीईआरटी में स्पेशल सेल राज्य साक्षरता केंद्र अर्थात स्टेट सेंटर फॉर लिटरेसी और जिला जिले के डाइट में डिस्टिक सेंटर फॉर लिटरेसी अर्थात जिला साक्षरता केंद्र की स्थापना कर ली गई है.

आमाराइट कार्यक्रम का हुआ आगाज

कोरोना महामारी के चलते विद्यालय बंद है। ऐसे में नए शिक्षण सत्र के लिए विद्यार्थियों की शिक्षा को पुनः नए स्वरूप में प्रारंभ करने के उद्देश्य से लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम आमाराइट का आयोजन किया गया है। यह उल्लेखनीय हैं कि रायपुर कि पहल पर संचालक श्री जितेंद्र शुक्ला द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में लागू किया गया हैं। इस जिसमें प्रत्येक विद्यार्थियों को उनके कक्षा स्तर अनुसार सामान्य ज्ञान एवं कोरोना महामारी, टीकाकरण जागरूकता से जुड़े प्रश्नों को प्रायोजना कार्य के रूप में हल करने के लिए दिया जा रहा है

नवाचारी गतिविधि पीएलसी समूह के सदस्य शिक्षक घर घर जाकर इस प्रायोजना कार्य को हल करने के लिए दे रहे हैं तथा सीधे बच्चों उनके पालकों से संवाद कर उन्हें प्रेरित भी कर रहे हैं। गांव- गांव में आमाराइट कार्यक्रम के प्रति जागरूकता लाने हेतु जागरूकता संदेश के पोस्टर भी लगाए जा रहे हैं।साथ ही विद्यार्थियों को आमाराइट के प्रश्नों के बारे में जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो भी तैयार कर उपलब्ध कराया जा रहा हैं।

ऑनलाइन समर कैंप के माध्यम से हो रहा बच्चों का सर्वांगीण विकास

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय योजना अन्तर्गत बेमेतरा जिले में सत्र् **2020-21** से शासकीय शिवलाल राठी उत्कृष्ट (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय बेमेतरा संचालित है। स्वामी आत्मानंद शासकीय शिवलाल राठी उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बेमेतरा में जिले के बच्चों के लिये चित्रकला, पेंटिंग, पेपर आर्ट एवं योगा जैसे विभिन्न कौशलों का विकास हेतु ऑनलाइन समर कैंप चलाया जा रहा है। ऑनलाइन प्रशिक्षण के द्वारा छात्र छात्राओं के विभिन्न कौशलों का विकास किया जा रहा है, इन विधाओं में विद्यालय के अधिकांश छात्र छात्राएं रूचि एवं आनंद पूर्वक भाग ले रहे हैं फलस्वरूप अध्यापन के साथ-साथ बच्चों में विभिन्न कौशलों का विकास हो रहा है। इसी कड़ी में गणित की शिक्षिका नीतू सोनी ने बच्चो को विभिन्न सब्जियों के प्रयोग एवं ईयर बर्ड के द्वारा पेंटिंग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों ने विभिन्न प्रकार के सब्जियों की मदद से बहुत ही सुंदर सुंदर पेंटिंग बनाया जिसमें से वंश तिवारी कक्षा तीसरी, अदिति कक्षा चैथी, दीक्षा पांडे एवं पुलकिता कक्षा सातवीं, आस्था साहू, एवं मोनिका आदि छात्र छात्राओं ने उत्कृष्ट पेंटिंग बनाया। विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती सुदेशा चटर्जी के मार्गदर्शन में प्रतिदिन विद्यालय के विभिन्न शिक्षकों के द्वारा बच्चों को विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके।

कोरोना काल में विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति नहीं हो पाने के कारण अध्यापन से जोड़कर रखने हेतु विद्यालय के शिक्षकों के द्वारा ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार के ज्ञान से अवगत कराते हुए एक सुदृढ़ भविष्य की स्थापना किये जाने का प्रयास किया जा रहा है इसका उद्देश्य यह भी है कि घर में बच्चो का खालीपन दूर हो एवं अध्यापन में रूचि बना रहे। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मधुलिका तिवारी ने विद्यालय के शिक्षकों को उनके प्रशसनीय कार्य के लिये बधाई देते हुए विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास हेतु सतत् प्रयास करने की अपील की है।

कक्षा ।।वीं में विषय चयन एवं आपका कैरियर प्लानिंग

10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को अपने विषय का चयन के साथ अपने कैरियर की प्लांनिंग करने का वक्त है। सभी विद्यार्थियों को अपनी रूचि,क्षमता और आत्ममूल्यांकन के आधार पर ऐसे विषय का चयन करे और उसमें पूरे आत्मविश्वास, परिश्रम और संकल्प के साथ अपने कैरियर की राह पर आगे बढ़ते हुये अपने भविष्य के साथ-साथ एक सशक्त राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देवें।

कक्षा 11वीं में विषय चयन करते समय विद्यार्थियों को सबसे पहले अपना आत्मविश्लेषण करना चाहिए कि जिस विषय का वह चयन करने जा रहा है उसमें उसकी पिछली कक्षाओं में दक्षता कैसी थी, और उसे अपने कैरियर के लिए इस विषय के कौन-कौन से संबंधित प्रवेश परीक्षा से गुजरना होगा उसकी प्रकृति कैसी होगी। आगे की उच्च षिक्षा के लिए स्कूल कालेज एवं प्रशिक्षण संस्थान् कहां-कहां पर है। वर्तमान समय में सरकारी नौकरियां कम होती जा रही है और प्राईवेट संस्थान् में सेवा के अवसर प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी किस प्रकार तैयारी करे। साथ-ही विद्यार्थी को यह भी ज्ञात होना चाहिए कि वर्तमान समय में जो कैरियर उपयुक्त दिखाई दे रहा है उसकी भविष्य में क्या संभावनाएं है।

हाईस्कूल उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए माध्यमिक शिक्षा मण्डल के द्वारा मुख्य रूप से पांच संकाय के विकल्प है। विज्ञान संकाय जीवविज्ञान अथवा गणित के साथ, वाणिज्य संकाय, कला संकाय एवं कृषि संकाय। माध्यमिक शिक्षा मण्डल कुछ संकायों में मुख्य विषय के साथ अतिरिक्त विषय लेने की भी सुविधा देती है। जैसे विज्ञान संकाय के तहत मुख्य विषय जीवविज्ञान के साथ आप गणित अतिरिक्त विषय के रूप में चयन कर सकते है। विद्यार्थीगण यह ध्यान रखे कि हायर सेकेण्डरी के यह दो वर्ष (कक्षा 11वीं एवं 12वीं) की पढ़ाई आपके कैरियर के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के तैयारी के लिए भी महत्वपूर्ण है।

हाईस्कूल कक्षा 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् अपने कैरियर एवं विषय चयन के समय रूचि और दक्षता के साथ-साथ अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि को भी ध्यान रखना चाहिए। यदि आपके परिवार को आर्थिक रूप से संबंल करने में आपकी आवश्यकता है तो ऐसे कोर्स चुनने चाहिए जिन्हें आप दो वर्ष की समयावधि में सरलता पूर्वक पूरा करते हुये स्वरोजगार के रूप में उसे शुरू कर सके। जैसे-आई.टी.आई अथवा लाईवलीहुड कॉलेज में संचालित व्यवसायिक कौशल विकास के पाठ्यक्रम। यदि आप उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने कैरियर को आगे बढ़ाना चाहते है तो कला संकाय में अर्थषास्त्र,, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, दर्षन शास्त्र विषय के साथ प्रषासनिक जॉब पर अपना कैरियर बना सकते है। कामर्स के विद्यार्थी बैंकिंग वित्तीय संस्था, बीमा सी.ए. आदि विषयों में कैरियर बना सकते है। विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग,बायोटेक्नॉलाजी के साथ -साथ कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी में कैरियर है।

कृषि संकाय के साथ आप एक उन्नत कृषक के स्वरोजगार के साथ कृषि वैज्ञानिक एवं अन्य कृषि संबंधी कार्यो के क्षेत्र पर सेवा का अवसर प्राप्त कर सकते है। इसके साथ-साथ सभी संकाय के विद्यार्थियों के लिए ऐर्स कई रोजगारमूलक पाठ्यक्रम है जैसे- टूर-टैवल एवं टूरिज्म, विभिन्न प्रकार के मैनेजमेंट जैसे होटल, इवेन्ट मैनेजमेंट, आदि पाठ्यक्रम, मॉडलिंग, जनसंचार एवं पत्रकारिता , फैशन डिजाइनिंग आदि। जिनमें कक्षा 12वीं उत्तीर्ण के बाद प्रवेश लिया जा सकता है। यदि आपकी रूचि खेल में है तो आप एक खिलाडी के रूप में] प्रशिक्षक के रूप में अपनी सेवा देना चाहते है वर्तमान समय में यह भी एक महत्वपूर्ण कैरियर है।

सभी कैरियर विशेष के लिए कक्षा 11वीं एवं 12वीं का विषय चयन महत्वपूर्ण होता है।

अतः वर्तमान में कक्षा दसवीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों कक्षा 11वीं में अपने कैरियर प्लानिंग के लिए उपयुक्त विषय का चयन अपने रूचि,दक्षता और क्षमता से करें इस हेतु अपने अभिभावकों के साथ-साथ अपने शिक्षकों और अपने सीनियर छात्रों से पाठ्यक्रम पर अवष्य चर्चा करें तथा यू-टूब,सोशल नेटवकिंग साईड एवं अन्य बेवसाईड में जा कर चयन किये जा रहे विषय और उसकी संभावना के बारे में देखें ताकि अपने योग्यता और परिश्रम से अपने कैरियर की राह पर आप आगे बढ़ सके।

सफलता की उड़ान

अभ्यास पुस्तिका के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई से जोड़े रखने वाली शिक्षिका

"अपने आप पर भरोसा रखें क्योंकि यह भरोसा ही आपको लंबा रास्ता तय करा सकता है।"

श्रीमती युगेश्वरी साहू
सहायक शिक्षक
शासकीय कन्या प्राथमिक शाला पवनी
विकासखण्ड - बिलाईगढ़, जिला - बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़)

बलौदाबाजार भाटापारा जिले के बिलाईगढ़ विकासखण्ड की सहायक शिक्षिका श्रीमती युगेश्वरी साहू ने शालाओं के संचालन के स्थगित होने के बाद भी सभी कार्यों में स्वरुचि से भाग लिया। इनके विद्यालय क्षेत्र में आपको सभी थीम नजर आएंगे,बच्चों तक पहुंचाने या बच्चों के सीखने के सभी तरीके पर यह अपना शत प्रतिशत प्रयास करती हैं, जिससे बच्चे सीखने हेतु रूचि लेने लगे। जब मार्च **2020** में कोरोना महामारी की वजह से विद्यालय बंद हो गई, तब इन्होंने ऑनलाइन कक्षायें लेना प्रारंभ किया। शुरुआत में बच्चों के पास मोबाइल नहीं होने के कारण बहुत कठिनाई होती थी, फिर इन्होंने एक ही मोबाइल से **2-3** बच्चों को जोड़ना प्रारंभ किया और ऑनलाइन कक्षायें संचालन की। कोरोना काल में लगभग **130** ऑनलाइन कक्षायें संचालित की उसके बाद मोबाइल और भी कार्यों को ग्रुप में भेजते हैं।

अभ्यास पुस्तिकाओं के माध्यम से शैक्षिक कार्य को संचालित करना :- समग्र शिक्षा के द्वारा बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की अभ्यास पुस्तिकाएं प्रदान की गई हैं। इनमें कक्षा **3** से **5** तक के बच्चों को हिंदी तथा अंग्रेजी वर्क बुक में कर्सिव राइटिंग एवं हिंदी में छोटी- छोटी कहानियों का अभ्यास करके पढ़ना जारी है। अभिभावकों द्वारा बच्चों को घर में मदद किया जा रहा है। इनके द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से अभ्यास कार्यों की जानकारी लिया जाता है।

सहायक शिक्षण सामग्री का उपयोग :- लगभग **40** टी. एल.एम. का निर्माण इनके द्वारा किया गया है। जैसे- विलोम मछली, पर्यायवाची लिफाफा, संख्या बन्दर, वर्णमाला अभ्यास, जोड़ का खेल, गुड़ा की मशीन, जानवरों का ब्लू प्रिंट, धान का फसल चक्र, महापुरुषों का ब्लूप्रिंट आदि का निर्माण किया है।

प्रिंटरिच गांव का निर्माण :- गांव मोहल्ले में लगभग **10** प्रिंटरिच कार्य विभिन्न स्थानों में इनके द्वारा किया गया है ,जिसमें सप्ताह के दिनों का नाम, पेड़ो के अंगों के नाम, रंगों के नाम, विभिन्न आकृतियां, फलों के नाम आदि है।

अंगना म शिक्षा कार्यक्रम :- इस कार्यक्रम के अंतर्गत अपने विद्यालय के कक्षा पहली के बच्चे तथा आंगनबाड़ी के लगभग **20** बच्चों का आंकलन करके तथा माताओं से संपर्क करके सीखने के लिए प्रेरित किया गया।

बाल कविता के माध्यम से बच्चों को प्रेरित करना :- इनके बच्चों के लिए कई बाल कविताएँ लिखी गई है। कक्षाएं संचालन करने से पहले बच्चों को बाल कविता सुनाया जाता है , जिसको बच्चे सुनने के लिए बहुत उत्सुक रहते हैं ,फिर पढ़ाई में मन लगाते हैं

सफलता की उड़ान

नक्सल प्रभावित इलाके में प्रिंटरीच वातावरण का निर्माण करने वाले शिक्षक

शेख अफ़ज़ल
सहायक शिक्षक
शासकीय प्राथमिक शाला मुचर,संकुल- शेरपार,
विकासखण्ड - मोहला, जिला- राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

आज हम आपको हमारे नायक के रूप में चयनित एक ऐसे शिक्षक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने राजनांदगांव जिले के नक्सल प्रभावित मोहला ब्लॉक में प्रिंटरीच वातावरण का निर्माण कर बच्चों को उनके घरों के आसपास खेल - खेल में पढ़ाई करने का बहुत ही सुनहरा अवसर प्रदान किया है। ज्ञात हो कि कोरोना महामारी के कारण छत्तीसगढ़ में विद्यालय अनिश्चितकाल के लिए बंद है। ऐसे वक्त में बच्चों को सुरक्षित और नियमित पढ़ाई से जोड़े रखने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सभी गाँव और वार्डो को प्रिंटरिच बनाने में जोर दिया जा रहा है। गाँवों और वार्डो के प्रिंटरिच हो जाने से अब बच्चों को उनके परिवेश में ही पढ़ाई का मौका मिल रहा हैं।

ब्लॉग लेखक गौतम शर्मा से चर्चा के दौरान श्री अफजल जी ने बताया कि जैसे ही उन्हें चर्चा पत्र के माह फरवरी **2021** अंक के माध्यम से " हर गांव - प्रिंटरीच गांव, हर वार्ड - प्रिंटरीच वार्ड " के बारे में पता चला तो उन्होंने इस थीम पर कार्य करना शुरू किया। उन्होंने मुचर के घरों, गालियों में हिंदी, अंग्रेजी, गणित और सामान्य जानकारी के बहुत ही आकर्षक वॉल पेंटिंग करवाया ताकि बच्चें खेल - खेल में पढ़ाई से जुड़े रहे।

जोन मीडिया प्रभारी :- पढ़ई तुंहर दुआर योजना के लागू होते ही श्री शेख अफ़ज़ल को जोन मीडिया प्रभारी जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। अफ़ज़ल जी ने पढ़ई तुंहर दुआर योजना को जमीनी स्तर पर लागू करने, शिक्षकों को **cgschool.in** की वेबसाइट में जोड़ने, **webex app** के माध्यम से ऑनलाइन क्लास लेने में आने वाली समस्याओं को दूर करने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाया। अफ़ज़ल जी के तकनीकी ज्ञान और सक्रियता को देखते हुए उन्हें राजनांदगांव जिले के सभी **9** विकासखंडों के टेक्निकल हेड की जिम्मेदारी दी गई।

स्मार्ट क्लास में योगदान:- सरकारी स्कूलों में डिजिटल पढ़ाई को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नक्सल प्रभावित मोहला मानपुर विधानसभा के सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों, पालकों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से **675** स्कूलों में **750** स्मार्ट टी .वी लगाया गया है।

टेक्निकल हेड की जिम्मेदारी :- कोरोना महामारी के कारण जब स्कूल बंद हुए और पढ़ई तुंहर दुआर जैसी महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत हुई। इस दौरान जिला मीडिया प्रभारी श्री सतीश ब्यौहरे जी ने इस योजना से जुड़ी तकनीकी सहयोग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्री शेख अफ़ज़ल जी को जिला टेक्निकल हेड की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। अफ़ज़ल जी ने इस जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करते हुए राजनांदगांव जिले के सभी **9** विकासखंडों के शिक्षकों को **cgschool.in** पंजीयन, ऑनलाइन क्लास, विद्यार्थी पंजीयन, वेबेक्स एप्प के उपयोग के बारे में लगातार फ़ोन कॉल और ऑनलाइन मीटिंग के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराते रहे।

राज्य स्तरीय ब्लॉग लेखक :- अफ़ज़ल जी के द्वारा लिखे गए **23** ब्लॉग अब तक **cgschool.in** में पब्लिश हो चुके है। अफ़ज़ल जी ने बताया कि एक ब्लॉग लेखक के रूप में उनका सफर बहुत ही सुहाना रहा है।

सफलता की उड़ान

तस्वीर कहती है के तर्ज पर शैक्षिक परिवेश को में बदलने वाली शिक्षिका

श्रीमती प्रेमलता मरकाम
सहायक शिक्षक ,शासकीय प्राथमिक शाला चिचपोलंग
विकासखंड-कोंडागांव ,जिला- कोंडागांव (छत्तीसगढ़)

शिक्षकों को सृजनकार के नाम से जाना जाता है , जो सदैव ही शैक्षिक वातावरण निर्माण करने के लिए नित नए नवाचार में लगे रहते है। कोरोना संक्रमण काल ने श्रीमती मरकाम को बंद स्कूलों के बावजूद भी शिक्षा को सतत् बनाए रखने के लिए नवाचार के लिए प्रेरित किया है। नए – नए नवाचारों व तकनीकों के माध्यम से वे लगातार बच्चो के अध्ययन-अध्यापन को जरी रखे हुए है। बच्चे भी पूरी तल्लीनता व सक्रियता के साथ इन नवाचारी गतिविधियों के साथ पढाई को जारी रखे हुए है। अब न सिर्फ बच्चे बल्कि नए नवाचार “प्रिंट समृध्द (रिच)” से अब पूरा मोहल्ला व ग्राम के लोग पढ़ रहे है। असल में “प्रिंट समृध्द (रिच)” एक ऐसी व्यवस्था है जिसमे अलग-अलग विषय के पाठ्य अवधारणा को रंगीन चित्रों में माध्यम से गाँव के सार्वजानिक स्थानों जहा पर लोगों का सदा आना-जाना लगा रहता हो , वहा दीवार पर उकेरा जाता है।

आज इस ब्लॉग के माध्यम से हम आपका परिचय सुदूर वनांचल के एक ऐसी शिक्षिका श्रीमती प्रेमलता मरकाम से कराने जा रहे है , जो गाँव में अभी-अभी पदस्थ हुई है , लेकिन “प्रिंट रिच “ के जरिये पुरे ग्राम में जानी पहचानी जाने लगी है।

शिक्षिका की कहानी शिक्षिका की जुबानी – प्राथमिक शाला चिचपोलंग में मेरी पोस्टिंग हुए अभी सिर्फ । महीना ही पूरा हुआ है। गाँव के लोग बहुत सीधे- साधे और सहयोगी भाव रखते है। कोंडागांव के बहुत नजदीक होते हुए भी यह गांव शहर की चकाचौंध से दूर है। लॉकडाउन में बच्चों की पढ़ाई बहुत प्रभावित हो रही थी इसलिए मैंने गांव में प्रिंट रिच निर्माण कार्य के बारे में सोचा और कार्य शुरू किया। प्रिंटरिच निर्माण कार्य से मुझे गाँव के लोगों से मेल-जोल बढ़ाने में भी सहायता हुई ,क्योंकि मैं अभी नई – नई गाँव के शाला में पदस्थ हुई हूँ ,तो गांववालों से मेरा परिचय नही हो पाया था। मैं जब गांव में प्रिंटरिच निर्माण के लिए जाती हूँ, तो गांव के बच्चे बहुत उत्साहित रहते हैं। मेरा इंतजार करते रहते हैं कि मैडम कितने समय आयेगी। आज क्या बनायेंगे मैडम ? हम भी बनायेंगे ? हमको भी रंग भरने दीजिये ? हमको भी सिखाइये ? इस कार्य मे गांव के बच्चे के साथ –साथ बड़े बुजुर्गो व युवाओ का भी सहयोग मुझे मिलता है। प्रिंटरिच में मैं चित्र का ज्यादा उपयोग करती हु ,क्योंकि बच्चे रंग-बिरंगे चित्र की ओर जल्दी आकर्षित होते हैं। कुछ दिनों पहले “अंगना में शिक्षा मेला “ का आयोजन शाला प्रांगण में किया गया था, जिसमे गाँव की महिलाओं का अच्छा सहयोग रहा।

घरों के बाहरी दीवाल पर प्रिंटरिच निर्माण करने से पूर्व मैं घर वालो से पहले अनुमति लेती हूँ। तो उनका प्रश्न रहता है कि आप ये सब क्यों बना रहे हो ? तब मैं उन्हें बताती हूँ कि लॉकडाउन के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बच्चों को बिना स्कूल बुलाये पढ़ाई जारी रखने के लिए नये नये उपाय किये जा रहे है , जिसके माध्यम से बच्चे शिक्षा से भी जुड़े रहेंगे और आसपास से देखकर खेल – खेल में भी सीखते रहेंगे। इनता सुनकर गांववाले सहर्ष तैयार हो जाते हैं। गांववाले मेरे इस प्रयास से बहुत खुश है। बच्चे मेरे बनाए हुए प्रिंट रिच को रोज गाँव मे घूमकर देखने जाते हैं कि आज हमारी मैडम ने क्या बनाये हैं। अब गांव के लोग मुझे पूछते रहते हैं कि हमारे घर के दीवार में ऐसा चित्र बनाने के लिए कब आयेंगी। मेरे द्वारा हिंदी, गणित ,अंग्रेजी,पर्यावरण के साथ ही सामान्य ज्ञान से संबंधित जानकारियों को बनाया जा रहा है।

सफलता की उड़ान

"हौसले के तरकश में कोशिश का वो तीर जिंदा रखो,

हार जाओ चाहे जिन्दगी में सब कुछ, मगर फिर से जीतने की उम्मीद जिन्दा रखो।"

श्रीमती डीना टांडिया
सहायक शिक्षक
प्राथमिक शाला सल्हेकोटा
विकासखण्ड- मरवाही,जिला- गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही ,छत्तीसगढ़

कोविड- 19 के पुनः बढ़ते हुए संक्रमण के कारण स्कूली शिक्षा के साथ-साथ मोहल्ला क्लास भी प्रभावित हुई है। ऐसे विषम परिस्थिति में छात्रों को शिक्षा से जोड़े रखना शिक्षकों के लिए एक नयी चुनौती है,किन्तु शिक्षा विभाग शिक्षकों के साथ मिलकर विगत एक वर्षों से हर चुनौती का सामना नए-नए नवाचारों व तकनीकों के माध्यम से करते हुए छात्रों को कोविड-19 के संक्रमण से सुरक्षित रखकर शिक्षा से जोड़े रखने में सफल रहा है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ समग्र शिक्षा द्वारा शाला ग्राम को हर गाँव - प्रिंटरिच गाँव, हर वार्ड - प्रिंटरिच वार्ड बनाने पर जोर दिया जा रहा है। जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो। इसी प्रकार यदि इच्छा शक्ति हो तो कोई कार्य कठिन नहीं होता इस बात को सार्थक करने वाली आज के हमारे नायक है मरवाही विकासखण्ड की शिक्षिका श्रीमती डीना टांडिया। जिनके द्वारा हर वो प्रयास किया जा रहा है,जो बच्चों को पढ़ाई से जोड़े रखने के लिए आवश्यक है।

प्रिंटरिच वातावरण निर्माण:- श्रीमती टांडिया ने चर्चा के दौरान ब्लॉग लेखिका अदिति शर्मा को बताया कि प्रिंटरिच वातावरण निर्माण करने की जानकारी मिलते ही इस कार्य को करने का दृढ़निश्चय कर तन्मयता से लग गयी। इसके लिए अपने साथी शिक्षिका श्रीमती सुचिता उंराव के साथ मिलकर शाला ग्राम में प्रिंटरिच कार्य हेतु स्थल का चयन कर स्वयं शैक्षिक प्रिंट निर्माण करने का कार्य कर रहीं है। इनके द्वारा ककहरा, गिनती, अंग्रेजी, गणित, सामान्य ज्ञान आदि से संबंधित विषयवस्तु का लेखन कार्य किया जा रहा है। श्रीमती टांडिया एवं उनकी साथी शिक्षिका श्रीमती उंराव के इस कार्य से ना सिर्फ छात्र वरन समस्त ग्रामवासी भी लाभान्वित हो रहे है। शिक्षिका की इस पहल से गांव में शैक्षिक वातावरण निर्मित हो रहा है। इनके द्वारा बनाये गये शैक्षिक प्रिंट इतने आकर्षक एवं सुंदर है कि राहगीर भी रूककर इनके कार्य की प्रशंसा करते हैं।

ऑनलाइन क्लास का आयोजन :- कोविड-19 के संक्रमण के कारण विद्यालय संचालन को स्थगित करते हुए ऑनलाइन क्लास संचालन के निर्देश प्राप्त होने पर श्रीमती टांडिया द्वारा सर्वप्रथम विद्यालय का वाट्सअप ग्रुप बनाकर छात्रों के अभिभावकों को जोड़ने का कार्य किया गया। वेबेक्स के माध्यम से ऑनलाइन क्लास लेने लगी। जिन छात्रों के अभिभावकों के पास स्मार्ट फोन नहीं हैं, उन्हें अन्य छात्रों के माध्यम से ऑनलाइन क्लास में जुड़ने हेतु प्रेरित करने लगी।

मोहल्ला क्लास का संचालन :- मोहल्ला क्लास लिये जाने की सूचना प्राप्त होते ही श्रीमती टांडिया द्वारा कोविड-19 के शिष्टाचार का पालन करते हुए मोहल्ला क्लास लिया जाने लगा। इनकी मोहल्ला क्लास में लगभग 90 प्रतिशत छात्र जुड़ गये थे। मोहल्ला क्लास में छात्रों को जोड़े रखने एवं रूचि बनाये रखने के लिए श्रीमती टांडिया द्वारा सहायक शिक्षण सामाग्री, खिलौने निर्माण, कहानी कथन एवं विभिन्न प्रकार के नवाचारी गतिविधियों का प्रयोग किया जाता रहा है।

बुल्टू के बोल :- श्रीमती टांडिया द्वारा बुल्टू के बोल एप्प के माध्यम से छात्रों को ऑडियो शैक्षणिक सामाग्री का वितरण कार्य भी किया गया है। इस प्रकार पूर्ण समर्पण भाव से अपने कर्तव्यों का पालन करने के कारण अपने क्षेत्र में सक्रिय शिक्षिका के रूप में जानी जाती है।

सफलता की उड़ान

"अंगना म शिक्षा एक नई पहल - शिक्षा की नई अलख की शुरुवात"

"माँ है तो सबका बचपन अनूठा, निराला है, क्योंकि माँ ही तो हर बच्चे की प्रथम पाठशाला है।"

श्रीमती मीना राजवाड़े
सहायक शिक्षक (एल.बी.)
शासकीय प्राथमिक विद्यालय-बरौधी
विकासखंड- भैयाथान,जिला -सूरजपुर (छत्तीसगढ़)

बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए अंगना में शिक्षा कार्यक्रम के तहत् सूरजपुर की शिक्षिका श्रीमती मीना राजवाड़े ने स्वप्रेरित होकर माताओं को प्रशिक्षित कर विद्यालय आने से पूर्व बच्चों को तैयार किया। छत्तीसगढ़ सरकार ने 'अँगना म शिक्षा' योजना की शुरुआत की है। जिससे बच्चे घर पर ही रह कर अपने माता से प्राथमिक शिक्षा ले सकें। जिसे उन्हें स्कूल खुलने पर पढ़ाई करने में परेशानी का सामना ना करना पड़े। इसी को देखते हुए सूरजपुर जिले की शिक्षिका श्रीमती मीना राजवाड़े ने अपने विद्यालय के गाँव मे जनसमुदाय को जोड़कर सभी माताओ से संपर्क स्थापित करके कोरोना जैसे वैश्विक महामारी के बीच मे अपने बच्चों को घरो में ही शिक्षा की नींव डालने की अनोखी पहल की शुरुआत की।

छत्तीसगढ़ की स्वप्रेरित महिला शिक्षिकाओं द्वारा आंगनबाड़ियों के छोटे-छोटे बच्चों के लिए' अँगना म शिक्षा' कार्यक्रम चला रही है। कोरोनाकाल में लंबे समय से छोटे बच्चों के स्कूल बंद पड़े हैं। बच्चे घरों में रहते हैं। ऐसे में बच्चों में अनिवार्य शिक्षा की अलख जगाने के लिए 'अँगना शिक्षा' कार्यक्रम कारगर साबित हो रहा है।

अँगना म शिक्षा के अंतर्गत **3** से **6** वर्ष के बच्चों को शाला पूर्व तैयारी हेतु माताओं व पालकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया और बच्चों का मूल्यांकन किया गया। माता उन्मुखीकरण के द्वारा माताओं को शिक्षा से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया गया और माताएं अपने बच्चों को घर पर ही प्रारंभिक स्तर के जानकारी को अच्छे से बच्चों में सिखा पा रहे हैं। इसी बीच शिक्षिका मीना ने घर घर जाकर अंतिम मूल्यांकन किया गया। अँगना म शिक्षा कार्यक्रम के तहत माताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका प्रेरित होकर कार्य कर रही है। इसके कार्यक्रम के तहत् सहायक शिक्षण सामग्री जैसे वर्णमाला गिनती, चार्ट, ट्रेन, ब्रिज का निर्माण किया गया। कोरोना महामारी के विषम परिस्थिति में भी माताएं अपने बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं।

ऑनलाइन कक्षा - वैश्विक महामारी कोविड-**19** के दौरान सीजी स्कूल में वेबेक्स मीटिंग के माध्यम से निरंतर ऑनलाइन क्लास लिया गया। इनके द्वारा ऑनलाइन राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खिलौना निर्माण का आयोजन किया गया जिसमें बच्चे बढ़ चढ़कर भाग लिये। जिन बच्चों के पास एंड्राइड मोबाइल नहीं है, उन्हें कॉन्फ्रेंस कॉल के द्वारा अध्ययन कराया गया। कॉन्फ्रेंस कॉल अध्यापन के समय बच्चों के साथ पालक भी होते थे। सभी बच्चों के घर-घर जाकर निःशुल्क पाठ्य पुस्तक इनके द्वारा पहुंचाया गया। जिन बच्चों को प्रश्न पढ़ने में परेशानी होती थी उनके मोहल्ले में जाकर उन्हें प्रश्नों के उत्तर बताया गया।
मोहल्ला कक्षा - मोहल्ला क्लास में एसएमसी सदस्यों द्वारा, पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा, पालकों द्वारा निरंतर सहयोग मिला। मोहल्ला क्लास के दौरान विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, संगीत, चित्रकला, खिलौना बनाना, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि। हर प्रतियोगिता में मोहल्ले से पालक को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया जाता है।

मीडिया में पढ़ई तुंहर दुआर

ऑनलाईन वेबीनार कार्यक्रम: लेट्स प्रे फॉर इंडिया

अमेरिका की तर्ज पर राज्य में खुलेगा वर्चुअल स्कूल

प्रदेश के 60 लाख स्कूली बच्चों की होगी आनलाइन एंट्री

हाथ में डंडी और चाक लेकर बच्चों को पढ़ाने वाले गुरुजी बने संकटमोचक

प्रेरक कोरोना की पीड़ा से प्रेरणा लेकर दुर्ग जिला शिक्षा अधिकारी ने जनसहयोग से किया काम
शिक्षकों की शहादत की याद कराते रहेंगे 30 आक्सीजन बेड

पुराने गत्ते और डिब्बों से कलाकृति बना रहे बच्चे

सरकारी अंग्रेजी स्कूल में वीडियो के जरिए ऑनलाइन पढ़ाई, योग से बढ़ा रहे इम्युनिटी

पहल : ताकि पढ़ाई करने के साथ नवाचार भी सीखें
बच्चों के लिए कबाड़ से खिलौने बना रहीं 'नी

फंटलाइन वारियर का पूरा कर रहे काम, लेकिन फिर भी जिम्मेवार कर रहे नजरअंदाज
कोरोना महामारी में जान जोखिम में डालकर शिक्षक कर रहे ड्यूटी

बखूबी जिम्मेदारी निभा रहे शिक्षक
ड्यूटी
मास्क के प्रति जागरूक करने के साथ ही कान्टेक्ट ट्रेसिंग कर रहे
कई शिक्षक लौटने पर कई दिनों से घर में अलग कमरे में रह रहे
372 शिक्षक जान गंवा चुके

शिक्षक के निर्देशन पर बन रही है कोरोना जागरूकता पर शार्ट फिल्म
संक्रमण अब शहरों से लेकर गांव–गांव में भी अपना प्रकोप दिखा रहा
पीएचसी को कोरोना इलाज की व्यवस्था के लिए दुरुस्त करें : राकेश
सैकड़ों शिक्षक जी-जान से जुटे कर्तव्य परायण में
सुकमा नगर पालिका क्षेत्र में लगभग 135 शिक्षकों को कोविड ड्यूटी में किया गया संलग्न
अब तक 218 लोगों के काटे चालान
पालन करें
कोरोना से बचने जागरूकता ला रहे शिक्षक, बच्चे

मीडिया में पढ़ई तुंहर दुआर

10वीं 12वीं के प्रतिभावान छात्रों को सीएम ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

स्वामी आत्मानंद मेधावी विद्यार्थी

दिवस खास •• विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर प्रतियोगिता का आयोजन

चित्र बनाकर बच्चों ने किया लोगों को जागरूक

प्रचार्य का मिला मार्गदर्शन

स्कूल के कक्षा सांतवी से बारहवीं कि के बच्चों ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर बालको मेडिकल सेन्टर रायपुर द्वारा आयोजित प्रदेशव्यापी ऑनलाइन पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता मे भाग लिया. बच्चों ने इस प्रतियोगिता मे अपनी कलात्मकता का परिचय देते ...

पढ़ई तुंहर द्वार योजना में आनलाइन पढ़ाई बच्चों के लिए वरदान : कविता

आपदा को अवसर बनाने की इच्छा सभी के मन में होनी चाहिए : डॉ आलोक

हमारे नायक कार्यक्रम के एक वर्ष पूर्ण होने पर राज्य स्तरीय वेबिनार

शिक्षा — कोरोना काल में किया नवाचार का प्रदर्शन, उपलब्धियों को बताने के साथ साझा किए अनुभव, 24 शिक्षकों एवं अधिकारियों ने शिरकत की

वेबिनार में नायकों को भविष्य की कार्ययोजना से कराया गया अवगत

कोविड संक्रमण के कारण अनाथ हुए बच्चों को मिलेगा सरकार का सहारा

अब ई पास की आवश्यकता नहीं है

ऐसे बच्चों को मिलेगी निःशुल्क स्कूली शिक्षा

CGBSE to launch virtual school in June

- State-level webinar organised to mark completion of popular 'Humare Nayak'
- The virtual school will make students feel like in classrooms of

अभियान

असाक्षरों को साक्षर करने का लक्ष्य 31 जुलाई तक

अभियान — जिले में स्वयंसेवी शिक्षकों द्वारा असाक्षरों को आखर झांपी पुस्तक का वितरण करके फोटो खीचकर अपलोड

10 हजार असाक्षरों का अपलोड होगा फोटो

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

पहल • पढ़ई तुंहर दुआर के शिक्षक नायकों का सम्मान ऑनलाइन वेबिनार के माध्यम से किया गया

शिक्षकों की भागीदारी से बनी छग की नई पहचान

शिक्षण सामग्री जुटा अनूठा गणित लैब बनाया

हरिभूमि - 29 मई 2021

विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन विविध पढ़ाई का कार्यक्रम

विकासखण्ड के गांव-गांव में हुआ आमाराइट कार्यक्रम का आगाज

...से ही जीवन के लक्ष्य को साधा जा सकता है : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

...ल कार्यक्रम में सीएम ने मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना अंतर्गत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का किया सम्मान

पहल • पढ़ई तुंहर दुआर के शिक्षक नायकों का सम्मान ऑनलाइन वेबिनार के माध्यम से किया गया

...क्षकों की भागीदारी से बनी छग की नई पहचान

कोरोनाकाल में स्कूल बंद: जिला शिक्षा अधिकारी का नवाचार 'आमाराइट'

सिलयारी @ पत्रिका. कोरोना काल में वर्तमान में स्कूल बंद है। शाला कैलेंडर के अनुसार यह समय ग्रीष्मावकाश का है। ग्रीष्मावकाश में भी बच्चों को सक्रिय रखने के उद्देश्य से रायपुर जिले में कक्षा पहली से 12वीं स्तर के सभी छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन प्रायोजना कार्य 'आमाराइट' के नाम से संचालित किया जा रहा है।

रायपुर जिले के जिला शिक्षा अधिकारी एएन बंजारा के इस अभिनव पहल को गति प्रदान करने के उद्देश्य से सजग प्राथमिक पीएलसी धरसीवां ग्रामीण एवं सृजन पीएलसी रायपुर शहरी के संयुक्त समन्वयकों और पीएलसी सदस्यों की एक वर्चुअल मीटिंग बुधवार को रखी गई। इसमें जिला शिक्षा अधिकारी एएन बंजारा, जिला मिशन समन्वयक केएस पटले, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एसपी गोस्वामी एवं बीआरसी एनएस ठाकुर शामिल हुए।

'आमाराइट' नाम देने के कारण सहित प्रायोजना के प्रश्नों के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। डीएमसी पटले ने इसकी कार्ययोजना तथा मॉनिटरिंग के संबंध में जानकारी दी। बीईओ गोस्वामी द्वारा चर्चा में शामिल प्राचार्य और पीएलसी सदस्यों की शंकाओं का समाधान किया गया। आभार प्रदर्शन बीआरसी ठाकुर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में धरसीवां विकासखंड के प्राचार्य संकुल समन्वयक सजग एवं सृजन पीएलसी के ग्रुप लीडर सहित सदस्यगण शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन अचला मिश्रा और अभिमन्यु मिश्रा द्वारा किया गया।

फोटो गैलरी

फोटो गैलरी

हमारे नायक : शिक्षक

Geeta Sharnagat	Purnima Shori	रेखा रॉय	राजेश कुमार प्रजापति	Smt Vidya Manikpuri	रोशन लाल चेलक
01-May-2021	02-May-2021	03-May-2021	04-May-2021	05-May-2021	06-May-2021
Sunita Sahu	हिमकल्याणी सिन्हा	Vaishali	Amit kumar uikey	LAVKANT DWIVEDI	SMT.Smriti Dubey
07-May-2021	08-May-2021	09-May-2021	10-May-2021	11-May-2021	12-May-2021
लोकेश्वरी कश्यप	Meena jaiswal	Anuradha singh	Hirmati Bhardwaj	Yaladi nagesh	Ajay Sahu
13-May-2021	14-May-2021	15-May-2021	16-May-2021	17-May-2021	18-May-2021
Sunita Rathore	Pawan Kumar nag	अनुराग तिवारी	Pratibha tripathi	Rashmi Namdeo	KABITA ACHARJEE
19-May-2021	20-May-2021	21-May-2021	22-May-2021	23-May-2021	24-May-2021
Ku.meenakshi soni	Smt.Yugeshwari sahu	VED RAWTE	Milind Chandra	Doman lal dahariya	Ganesh ram sahu
25-May-2021	26-May-2021	27-May-2021	28-May-2021	29-May-2021	30-May-2021
GOMTI SAHU					
31-May-2021					

संपादक मंडल

• डॉ. योगेश शिवहरे • ए. के. सोमशेखर • प्रशांत कुमार पाण्डेय • डॉ. एम. सुधीश

• डॉ. विद्यावती चंद्राकर • सत्यराज अय्यर • डॉ. जयाभारती चंद्राकर

नीचे दिये गए बटन पर टैप करके हमसे जुड़े

t.me/ptdnews /ptdchhattisgarh पढ़ई तुंहर दुआर scert.del@gmail.com